



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

मई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1975 (भाद्रपद 15, 1897)

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1975 (BHADRA 15, 1897)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च व्यापारियों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 अगस्त 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रंथ I के स्थायी अधिकारी श्री जे० बी० गुप्त को, जिन्हें उहले 10-5-75 तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, अब मन्त्रिमंडल सचिवालय, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० 4/52/74-सी० एस०। दिनांक 25 जुलाई, 1975 द्वारा 11 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के चयन ग्रंथ में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है, श्री गुप्त 11 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न आधार पर कार्य करते रहेंगे।

पी० एन० मुकर्जी,
अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग
(7333)

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-1 दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० एफ० 2/33/75-ईस्ट-(सी० आर० पी० एफ०)-राष्ट्रपति, श्री महताव सिंह सहायक कमान्डेट/जे० ए० बी० (मैटी) महानिदेशालय को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कमान्डेन्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री महताव सिंह ने सहायक कमान्डेट/जे० ए० बी० (मैटी), महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 1-7-75 के अपराह्न छोड़ा और 7-7-75 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुरिस दल की 21वीं बटालियन में कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाला।

दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० एफ० 2/33/75-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति, श्री आर० एन० दयानन्द उप पुलिस अधिकारी (कम्पनी

कमान्डर/विवार्टर मार्स्टर) को उसकी तदर्थ प्रोत्सवि के फलस्वरूप श्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करने हैं।

2. श्री आर० एन० दग्धानान्द ने उप पुलिस अधिकारी (कमान्डर/विवार्टर मार्स्टर) गुप्त सेन्टर नीमच केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 3-7-75 अपराह्न को त्याग दिया और 16-7-75 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल की 24वीं बटालियन में सहायक कमान्डेंट के पद वा कार्यभार सम्भाला।

ए० के० वन्धोपाध्याय
सहायक नियोगक (प्रशासन)

महानिरीक्षक वा कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा वल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० ई०-38013(1)/1/75-प्रशा० I—भिलाई में स्थानान्तरित होने पर, श्री गजा श्रीधरण, आई० पी० एस० (मध्य-प्रदेश-1957) ने दिनांक 10 जुलाई 75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा वल यूनिट एफ० ए० सी० टी० (उत्तोगमण्डल) के कमान्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और श्री टी० कानन, आई० पी० एस० (केरल-1962) ने उसी दिनांक के अपराह्न में उक्त पद के अतिरिक्त कार्यभार को सम्भाल लिया।

एल० एस० विष्ट
महानिरीक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय,
सं० 1467-जी० ई० आई०/121-71

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1975

1. सं० 2672-जी० ई० I/121-71—भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक, निम्नलिखित अधिकारियों को, प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तिथियों से मूल नियम 30(I) के द्वितीय परन्तुक के अधीन भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान 1500-60-1800-100-2000 रु०) में, अगले आदेश मिलने तक उनके नाम के सम्मुख लिखे हुए पदों को धारण करते हुए स्थानापन्न रूप में सहर्ष प्रोत्सव करते हैं।

1. श्री लक्ष्मण सिंह, मुख्य लेखाधिकारी दिल्ली विभाग प्राधिकरण, नई दिल्ली-3 जनवरी, 1975
2. श्री वी० टी० सुन्देश्वरन, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी, कोचीन पत्तन न्यास, कोचीन—8 जनवरी 1975।
3. श्री एल० पी० गयजादा, उप मुख्य लेखापरीक्षक, दिल्ली नगर निगम दिल्ली-13 फरवरी 1975।

2. सं० 2890-जी० ई० I/एन-4--7 अप्रैल, 1975 से 30 अप्रैल 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर, श्री टी० बी० नागाराजन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 1 मई, 1975 को भालेखाकार, पश्चिम बंगाल के स्थानीय कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री के० लक्ष्मि, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

3. सं० 2889-जी० ई० I/एस०-34--4 मई 1975 की नविवार की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति अद्वितीय एस०, 1975 से 3 मई 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री आर० सी० सूरी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 5 मई 1975 को महालेखाकार, आसाम, मेघालय, असमाचल प्रदेश और मिजोरम, गिरांग के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री राजेन्द्र कुमार, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्यभार से मुक्त किया।

4. सं० 3029-जी० ई० I/एस०-18/पी० एफ० IV—श्री सी० जे० मलकानी ने 14 मई 1975 (अपराह्न) से महालेखाकार, केन्द्रीय, कलकत्ता के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री के० ललित, जो कि छुट्टी पर जा रहे हैं, को कार्यभार से मुक्त किया।

5. सं० 3133-जी० ई० I/एस० 27/पी० एफ० II—1 अप्रैल 1975 से 13 मई 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर तथा भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में प्रत्यावर्तन पर, श्री सी० एस० स्वामीनाथन भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 14 मई 1975 (पूर्वाह्न) से महालेखाकार, डाक-तार दिल्ली, के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री के० पी० रंगास्वामी को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

6. सं० 3586-जी० ई० I/जी-43/पी० एफ० II-20 मई 1975 से 5 जून 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री वी० गौरी गंकर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक के कार्यालय, नई दिल्ली, में निदेशक, प्राप्ति लेखा-परीक्षा के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया।

7. सं० 3825-जी० ई० I/133-73—I—भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक ने, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के वरिष्ठ समय वेतनमान के एक अधिकारी श्री बी० एस० तायल को भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में 1 नवम्बर 1974 से 15 मार्च 1975 की अवधि के दौरान अस्थायी रिक्ति में, और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दावों को ध्यान पढ़नाए बिना सहर्ष प्रोत्सव किया है।

8. सं० 3901-जी० ई० I/एस-90/पी० एफ०—मण्डल के मामलों के विभाग में 2000-2250 रु० के वेतनमान में लेखा निदेशक, के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त हो जाने के परिणामस्वरूप, श्री आर० सरन का भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के पद पर मूल नियम 14-क(घ) के अनुसार पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) समाप्त हो गया है।

9. सं० 4055-जी० ई०।/आर-16/पी० एफ० II—रविवार 22 जून, 1975 को छुट्टी में जोड़ने की अनुमति सहित 6 जून, 1975 से 21 जून 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० रामाचंद्रन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 23 जून 1975 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार (II), मध्य प्रदेश, ग्रामियर के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री मन्जूर-ए-मुस्तफा, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

10. सं० 4318-जी० ई०।/आर-30/पी० एफ०-II—22 जून 12 और 13 जुलाई 1975 की छुट्टियों को छुट्टी में जोड़ने की अनुमति सहित 23 जून 1975 से 11 जुलाई 1975 तक की छुट्टी के लौटने पर श्री कौ० रंगानाथाम, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 14 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) को सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यक लेखापरीक्षा, रांची के पद को सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री एस० एस० अहमद को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

11. सं० 4331-जी० ई०।/जी-22/पी० एफ०—22 जून और 6 जुलाई, 1975 की छुट्टियों को छुट्टी में जोड़ने की अनुमति सहित 23 जून 1975 से 5 जुलाई 1975 तक की छुट्टी से लौटने पर, कुमारी अमृता ग्रोवर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 7 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) को महालेखाकार II, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री डी० डी० जैरथ, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

12. सं० 4387-जी० ई०।/सी-8/पी० एफ० IV—श्री पी० सी० कल्ला, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा सेवा, ने 16 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) से मुख्य लेखापरीक्षक, रेलवे उत्पादन यूनिट, कलकत्ता के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है। उन्होंने श्री एन० जी० सेन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को उनके अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त किया।

रमेश चन्द्र
सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे
नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 अगस्त 1975

प्रशासन/17-14/72—भारतीय के नियन्त्रक महालेखा परीक्षक के कार्यालय के सदस्य (रेलवे लेखा परीक्षा) श्री राममूर्ति कपूर को आगामी आदेश तक दिनांक 7 जुलाई 1975 अपराह्न से मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे के मुख्य कार्यालय में स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा के स्थायी सदस्य श्री गुरदेव भाटिया को आगामी आदेश तक दिनांक 9 जुलाई 1975 पूर्वाह्न से मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे के मुख्य कार्यालय में स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

कै० एस० रंगामूर्ति
मुख्य लेखा परीक्षक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० 6/1067/75-प्रशा० (रज०)/9424—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग में परिवीक्षाधीन एवं मृत्यु कार्यालय में नियन्त्रक, आयात-निर्यात, श्री विनय कुमार को 12 जुलाई 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से इस्तीफा देने की स्वीकृति दे दी गई है।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

पूति तथा नियटान महानियेशालय

(प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 अगस्त 1975

सं० प्र-1/1(866)—राष्ट्रपति, पूति तथा नियटान महानियेशालय, नई दिल्ली में सहायक नियेशक (विक्री कर) (प्रेड-I) श्री एन० कौ० महता का दिनांक 1 नवम्बर, 1975 से सेवा से त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

कौ० एल० कोहली
उप नियेशक (प्रशासन)

इत्यात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० 7069/बी०/ 2222 (एस० एम०)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री संकर मजूमदार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 2 जून 1975 के पूर्वाह्न से पनोष्ठा पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 7086/बी०/2181 (एस० एम०)/19ओ—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री समरेन्द्र मुखर्जी को सहायक रसायनज के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगे आदेश होने तक, 4 जून, 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नत पर, नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 अगस्त 1975

सं० 8002/बी/51/62/19सी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त अधिकारियों की प्रशासनिक अधिकारी के पद में (राजपत्रित वर्ग II) 475-800 रु० के वेतनमान में (पूर्व परिशोधित) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, उनके सामने दर्शायी तिथि से पुष्टि की जाती है :

1. श्री जे० एम० चटर्जी—22 फरवरी 1971
2. श्री आर० आर० घोष—16 जनवरी 1973
3. श्री के० आर० बारुरी—18 जनवरी 1973
4. श्री बी० पी० गुहा राय—4 जून 1973
5. श्री डी० पी० राय—4 जून 1973

6. श्री एस० एन० चटर्जी—9 जुलाई 1973

7. श्री बी० एन० मुखर्जी—1 अक्टूबर 1973

बी० के० एस० वरदन

महानिदेशक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, 6 अगस्त 1975

सं० गो० 4980/718ए—श्री सी० एस० सक्सेना, स्थाना-पन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को मध्य संकिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जबलपुर में स्थापना एवं लेखाधिकारी (सा० के० से० श्रेणी II) के पद पर 840 रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, दिनांक 17 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० गो०-4981/707—श्रेणी III डिवीजन I सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से भारतीय सर्वेक्षण विभाग, में अधिकारी सर्वेक्षक, श्रेणी II सेवा (राजपत्रित) के पदों पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में उनके नाम के आगे लिख गए कार्यालयों में नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम एवं पदनाम (1)	यूनिट/कार्यालय (2)	तिथि से (3)	(4)
1.	श्री बी० डी० डिमरी, ड्राफ्टसमैन, डिवीजन I, सलेक्शन ग्रेड	सं० 2 आरेखण कार्यालय (उ० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
2	श्री के० एल० स्वानी सर्वेक्षण सहायक, सलेक्शन ग्रेड	ज्यो एवं श्र० शा० कार्यालय	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
3.	श्री एस० डी० सिल्वा सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	दक्षिण पूर्वी संकिल	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
4.	श्री एन० आर० काकडे सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 77 पार्टी (द० पू० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
5.	श्री टी० रंगाराजन सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 65 (टी० सी० एम०) पार्टी (सर्वेक्षण हवाई निदेशालय)	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
6.	श्री पी० आर० सचिवानन्दम सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र कार्यालय	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
7.	श्री के० बी० अप्पाचू सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान कार्यालय	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
8.	श्री एच० एस० अव्यर सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 36 पार्टी (स० प्र० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)	
9.	श्री टी० के० मैत्रा सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	पूर्वी संकिल कार्यालय	1-7-75 (पूर्वाह्न)	

(1)	(2)	(3)	(4)
10.	श्री सुनिर्मलदास सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 60 पार्टी (अ० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
11.	श्री बी० बी० पोतदार सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 41 पार्टी (द० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
12.	श्री एस० राय सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 52 पार्टी (द० म० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
13.	श्री ए० के० सरकार सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 22 (फोटो) पार्टी (उ० पू० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
14.	श्री बी० पी० जी० राधाकृष्णन सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 16 पार्टी (स० प्र० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
15.	श्री श्रीचन्द्र सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान कार्यालय	11-7-75 (पूर्वाह्न)
16.	श्री खेम चन्द्र ड्राफ्टसर्मन इंवीजन I सलेक्शन ग्रेड	सं० 6 आरेखण कार्यालय (उ० पू० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
17.	श्री के० एस० पंवार सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 74 (पार्टी) (द० पू० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)
18.	श्री सी० एस० चौहान सर्वेक्षक, सलेक्शन ग्रेड	सं० 3 पार्टी (उ० प० स०)	1-7-75 (पूर्वाह्न)

सं० सी-4982/724-एस० ओ० एस०(ए)—श्री रावेल
सिंह, भण्डार सहायक (सलेक्शन ग्रेड) (स्थानापन्न) को ज्योटीय
एवं अनुसंधान शाखा, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक
भण्डार अधिकारी (सा० के० से० श्रेणी II) के पद पर 550-
25-750-द० रो०-३०-९०० रु० के संशोधित वेतनमान में 1
अगस्त 1975 से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में
नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक भारत
(नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई 1975

सं० 14/2/75 स्मा०—प्राचीन स्मारक, पुरातत्वीय
स्थल एवं अवशेष नियम, 1959 के नियम 6 अधीन प्राप्त
अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, श्रीमती देवला मित्रा, निदेशक
(स्मारक) यह निदेश जारी करती हूँ कि ताजमहल, आगरा
(उ० प्र०) में निम्नलिखित तिथियों में प्रवेश निःशुल्क होगा।
5 अगस्त 1975 को सायं 4 बजे से राति 12 बजे (अर्थ-
राति) तक, 6 अगस्त, 1975 को सायं 2 बजे से प्रातः 3 बजे तक
(दिनांक 6/7 अगस्त की राति और 7 अगस्त 1975 को प्रातः
7 दजे से प्रातः 4 बजे तक) (दिनांक 7/8 अगस्त की राति)

दे० मित्र,
निदेशक स्मारक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अगस्त 1975

सं० 11-3/74-एडमिन-I—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के
अनुभाग अधिकारी ग्रेड में प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री ए० एस०
धर्मालिया ने 18 जुलाई 1975 को पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महा-
निदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद का कार्यभार छोड़
दिया और उसी तारीख से उनका तबादला स्वास्थ्य विभाग में
कर दिया गया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० 3-21/74-प्र०—श्री डी० आर० बोहरा को, जोकि
मैन्य लेखा महानियन्दक के कैंडर में रक्षा लेखा सेवा के स्थायी
लेखा अधिकारी है, 1 अगस्त 1975 की पूर्वाह्न से वन साधनों
के निवेशपूर्व सर्वेक्षण देहरादून में आगामी आदेश तक प्रति-
नियुक्ति की शर्तों पर लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

रोमेश चन्द्रा,
मुख्य समन्वयक

कार्यालय महानिदेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1975

सं० ए० 32013/13/75 ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री ए० के० मिश्रा, तकनीकी अधिकारी को श्री सी० बी० वैकटेशन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी की छुट्टी रिक्ति में 23 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/11/73 ई० सी०—महानिदेशक, नागर विभाग ने श्री पी० एस० मलिक, सहायक तकनीकी अधिकारी को 1 जनवरी, 1975 से नागर विभाग विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थायी रूप में सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० ए० 32014/3-75 ई० सी०—महानिदेशक, नागर विभाग ने श्री पी० एन० मलिक, संचार सहायक को श्री डी० जे० राइटर, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई की छुट्टी रिक्ति में 12 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) से वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई में तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32016/3/74-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विभाग ने श्री आई० जे० शर्मा, तकनीकी सहायक को 30 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग प्रशिक्षण केंद्र, इलाहाबाद में तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंग लाल कोहली,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 अगस्त 1975

सं० ए० 32013/4-75 ई० ए०—राष्ट्रपति, एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को 1 अगस्त, 1975 से अगले आदेश जारी होने तक ₹० 1500-60-1800 के बेतनमान में नागर विभाग विभाग के विभाग मार्ग और विभाग क्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/नियंत्रक विभाग क्षेत्र के ग्रेड में पदोन्नत करते हैं:—

क्रम सं०	नाम तथा विभाग क्षेत्र	तैनाती	स्टेशन
----------	--------------------------	--------	--------

- श्री आर० एल० परीरा—उपनिदेशक, विभाग मार्ग एवं विभाग क्षेत्र (परिचालन) मुख्यालय

2. श्री एस० के० बोस—उपनिदेशक, (विभाग परिवहन) मुख्यालय

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० 10/1975—श्री के० डी० मठ जो कि श्री एस० एन० वर्मा की प्रतिनियुक्ति पर, स्थानापन्थ सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, निरीक्षण निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में नियुक्त थे, अब श्री बी० के० हाजरा के छुट्टी जाने पर 1-8-75 से उसी पद पर नियुक्त रहेंगे।

[फा० सं० 1041/97/74]

बी० एस० चावला,
निरीक्षण निदेशक,

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और अनमोल प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

दिनांक 4 अगस्त 1975

सं० 2419/10714—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर अनमोल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रा० कु० जैन,
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार,
दिल्ली व हरियाणा

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1975

फा० सं० 9/316/75-संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय—
कुमारी आई० बी० मुंदेश्वर, आयकर अधिकारी ने आयकर आयुक्त कार्यालय दिल्ली से अपना स्थानांतरण होने पर संगठन और प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में दिनांक 1 मई, 1975 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

एच० डी० बहल,
संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशक (आयकर)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर।

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश नं० 80/अस्यूजीशन/सहारनपुर/ 74-75/

869—ग्रतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशास अद्विक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण-लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विरेन्द्र मेहता और देवन्द्र मेहता पुत्र श्री जान चन्द मेहता निवासी सहारनपुर अम्बाला रोड, हाक देव देहली, शामली रोड (अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल कुकरेजा पुत्र भागमल कुकरेजा और प्रेम कुमार कुकरेजा पुत्र श्री चमन लाल निवासी मुहल्ला मटियामहल सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथाधिरिचारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (रहाशी मकान) जोकि शामली रोड पर देहली में स्थित है, 1,50,000/- मूल्य में बैचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अगस्त, 1975

निर्दश नं० 40 ग्रन्थयूजिशन/हाथरस/74-75/870—अतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णत:-

(1) श्री राम भाई पटेल पुत्र दया भाई पटेल निवासी हाथरस लाल नदियादी जिला करावधान, यथाम भाई पटेल पुत्र वाबू भाई पटेल स्वयं व संरक्षक दक्षबान, योगेश कुमार और प्रकाश नाबालिंग पुत्र वाबू भाई निवासी नदियाद, चीनू भाई पटेल पुत्र मनी भाई पटेल, निवासी हाथरस (अन्तरिक)

(2) स्वेश्वी 1. चन्दू भाई, 2. कीनू भाई, 3. हरीकदन, 4. चन्द्रकान्ता, 5. बिश्नू भाई, नाबालिंग पुत्र अदितिया भाई, निवासी हाथरस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों में शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अन्तर्ल घरेल सम्पत्ति जोकि पटेल विलिंग के नाम से जानी जाती है और जो नाधला जोधा नाधला, नई मुरशन्दवर नाधला लाला रोड, हाथरस में स्थिति है। 1,25,000, रु० मूल्य में बेची गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त' (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त, 1975

निर्देश नं० अक्यूजीषन/जे० 3/हाथरस/74-75/873—
अतः मुझे, एफ० जे० बदादुर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—
2-226 GI/75

(1) श्री चिमनलाल पुत्र श्री बादवन लाल निवासी लेवर कलोनी सस्नीदवर हाथरस जिला अलीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री परसोत्तम लाल पुत्र श्री गिरधारी लाल और विहारी लाल पुत्र श्री सन्त राम निवासी राम नगर हाथरस और अमरकि सिंह पुत्र इन्दु सिंह निवासी राम नगर मुरशन्दवर हाथरस, जिला अलीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (जमीन) जो राम नगर मुरशन्दवर हाथरस, जिला अलीगढ़ में स्थित है और जोकि 26,775/- रु. मूल्य में बैची गई है।

एफ० जे० बदादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेज, कानपुर।

तारीख : 22-8-1975

मोहर :

प्रस्तुति आईटी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अगस्त, 1975

निर्देश नं० 254/श्रक्षयौजीशन/कानपुर/74-75/871—अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम कुमार अग्रवाल (एच० य०० एफ०),
श्री राजीव कुमार पुत्र और श्रीमती सुशीला रामी पत्नि
राम कुमार अग्रवाल निवासी 113/167, स्वरूप नगर,
कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री चेतन प्रकाश, रतन कुमार इन्दुजंग मोहन
और स्वतन्त्र कुमार सभी निवासी कानपुर के हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तक्सबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रबल सम्पत्ति (प्लाट) नं० 105/695 ए०, बनानापुरक
कालपी रोड, कानपुर जो कि 70,500/- रु० मूल्य में बैचा
गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक: 7-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त, 1975

निर्देश नं० 170/अक्षयजीशन/गाजियाबाद/74-75/874--

ग्रहण: मुझ, एफ० ज० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रहण: ग्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात्:—

(1) श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री लक्ष्मी चन्द्र
बैश्य, 35, चन्द्रपुरी, गजियाबाद (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिवेक मित्तल पुत्र श्री हरी शंकर 35,
चन्द्रपुरी, गजियाबाद परगना लाउनी, जिला मेरठ(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 28 बी० मरिजालान बिहारी नगर गजियाबाद परगना लाउनी जिला मेरठ में स्थित है श्रीर जो 30,000/- रु० मूल्य में बैची गई है।

एफ० ज० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 6-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1975

निवेश सं० 168/अक्षयज्ञामन/दहरादून/74-75/875—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वं के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं के अनुसरण में, भौं उक्त अधिनियम, की धारा 269-वं को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लफटीनैन्ट कर्नल श्री रतन सिंह पुत्र श्री रला सिंह निवासी कलेमन्ट टाऊन, दहरादून (अन्तरक).

(2) मेजर श्री नरेन्द्र कुमार राय, पुत्र कैप्टन पी० बी० राय, निवासी महेश काटेज अधोई वाला, दहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो "हिल ऑस्ट" नाम से जानी जाती है और जो पोस्ट आफीस रोड, कलेमन्ट टाऊन, दहरादून छावनी एरिया के अन्दर स्थित है जमीन के साथ और नीचे तकरीबन 1.5 बीघा खसरा नं० 555 एम० बहरूकला, ग्रान्ट महल, जी० ई० पाल, नैमवाला तहसील और जिला दहरादून 42,000 रु० मूल्य में बैची गई है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख : 7-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत अई० टी० एन० एस०—
प्रधानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1975

निर्देश नं० 147/प्रक्यूजीशन/मेरठ /74-75/876-अतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित अस्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्रकला ग्रोवर पत्नि ए० एन० ग्रोवर
निवासी 46/17 सिवल लाईन्स, जिला मेरठ (अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि श्री वेद प्रकाश छावड़ा
निवासी पंचशील कालौनी, गली नं० 4 गृह रोड, स्टेट बैंक
आफीसर्स कालौनी के सामने, मेरठ शहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक भूजिल गली नं० 4, पंचशील
कालौनी गृह रोड, स्टेट बैंक आफीसर्स कालौनी के सामने
मेरठ शहर में स्थिति है जो कि 54,000/- रु० मूल्य में
बचा गया है ।

एफ० जे० बहादुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 7-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1975

निर्देश नं० 148/अक्षयूजीशन/74-75/877—अतः मुझे,
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हीरा लाल जैन पुत्र श्री पंजूमल जैन निवासी
2-ए० जैन नगर, मेरठ (ग्रन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल पुत्र राम दास कुमार निवासी
2-ए० जैन नगर मेरठ (ग्रन्तरिती)

(3) किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल रहाशी मकान (प्लाट नं० 23-ए० म्यूनिसिपल
नं० 113) जैन नगर जिला शहर मेरठ में स्थित है जो कि
40,000/- मूल्य में बैचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 6-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1975

निर्देश नं० 186/अक्यूजीशन/गजियाबाद/74-75/872-
अतः नुस्खे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण से रूप बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-1-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुहूर्त किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त
अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसार में, यैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः—

(1) श्री हरी कृष्ण लाल पुत्र नरसिंग दास निवासी
1/8, लालनी, पटेल नगर नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री बिशन सिंह यादव अत्मज स्वर्गीय श्री पीरु
मल निवासी 403, हवेली हृदर कुली, चान्दी चौक, देहली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के फाल सिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के यथापरि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्रचल गृह सम्पत्ति (रहाशी मकान) जो ग्राम बेहटा
हाजीपुर परगना लीनी तहसील गजियाबाद ज़िला मेरठ में
स्थित है और जो कि 40,000/- रु० मूल्य में हस्तान्वित
किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 28-8-1975

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 14 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० जे०/५/दिसम्बर/७४/सोलापुर/२२४/७५-
७६—पतः मुझे, एच० एस० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 275 प्लाट क्रमांक 89 है तथा जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, सोलापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनियम,' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः:—

(1) श्री सुभाष चंद्र चंद्रनाथ बनकुडे 480, शुक्वार पेठ, सोलापुर (अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर चंद्रनाथ बनकुडे 480, शुक्वार पेठ, सोलापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीज होलड जमीन

सर्वे क्रमांक 275 प्लाट क्रमांक 89 सोलापुर

तहसील उत्तर सोलापुर जिला सोलापुर

क्षेत्रफल 21.5 वर्ग मिटर्स

एक इमलेकी बिल्डिंग

बिल्ट अप क्षेत्रफल 2200 वर्ग फिट।

एच० एस० औलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज पूना।

तारीख : 16-8-1975

मोहर :

प्रैरूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, विनांक 18 अगस्त, 1975

निर्देश सं० XII/8/5/1974-75—यतः मुझे, जी० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 514/2 ए०, मंगलो स्ट्रीट, कोविलपट्टि है, जो में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, कोविलपट्टि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

3—226GI75

(1) श्रीमती मेरि ईगनेशियस अम्माल और श्रीमती विनसेन्ट 37, कालेज रोड, पालथमकोट्टै (अन्तरक)

(2) श्री वी० दरमट नाडार, कोविलपट्टि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोविलपट्टि नगी वार्ड सं० 5, मंगलो स्ट्रीट, एस० सं० 514/2ए० 1132 में 70 सेन्टस की खालि भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख : 18-8-75

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त, 1975

निवाल सं० 277/एकुरे III/75-76/कल०—अतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० 68, बालिङ्ज सर्कुलर रोड, 224/1 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कल० (श्रींग) में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 12-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट भावी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (I) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इन्डियन चार्च ट्रास्टोज, 51, चैरीना रोड, कलकत्ता 4,
(अन्तरक)

2. श्री बलाका को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटि लिमि० पि०-16/1 बि०, केयातला रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 बिधा कट्ठा छटाक स्को० फीट, जमीन और तलाव जो पौर सं० 62 बालीगंज सर्कुलर रोड और 224/1 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता पर अब स्थित और उसका श्रींग विशेष है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 14 अगस्त, 1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० ९५/७५-७६:—यतः, मुझे, आर०
रंगम्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित
है (प्रीत इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम
के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-व (1) के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व (1) की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) आर० रघुपति रेड्डी, वोवेनपल्ली, सिकन्दराबाद,
(2) लक्ष्मी पन्टर प्रायसेस, 3-6-291/1 हैदरगुड़ा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. बासवी को प्राप्तरेटिव हावसीन सोसायटी, हैदराबाद ।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 21 काकागूडा, सिकन्दराबाद
क्षेत्र—1 एकड़ 10 गुंटा ।

आर० रंगम्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
(भार साधक)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 12 अगस्त, 1975 :

मोहर :

प्रस्तुत श्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 96/75-76:—यतः, मुझे, आर० रंगथा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 55/2 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि शथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269g के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती रत्नवी जे० देवारा पत्नी जाल ए० वेबारा, तिलक रोड़, हैदराबाद (2) लक्ष्मी पन्टर प्रायसेस, 3-6-291/1 हैदरगूडा, हैदराबाद । (अन्तरक)
2. बासवी को० आपरेटीव हावसिंग सोसायटी, 6-1-91 हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० नं० 55/2, काकागूडा, सिकन्दराबाद,
धेन—1 एकड़ 15 गुंटा ।

आर० रंगथा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(भार साधक),
अर्जन रेज, हैदराबाद ।

तारीख : 12 अगस्त, 1975 ।
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 91/75-76:—यतः, मुझे, आर० रंगव्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० नं० 55/2 काकागूडा मोजा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 * (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) के० बी० रामनी तथा पी० बाल रेड्डी, (2) मैसर्सैं लक्ष्मी पन्टर प्रायसेस विजयवाड़ा। (अन्तरक)

2. वासवी को० आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 55/2 काकागूडा मोजा, कन्टोनमेन्ट थोक्र, सिकन्दराबाद, में स्थित है। थोक्र-4840 वर्ग गज।

आर० रंगव्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(भार साधक),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 94/75-76:—शतः, मुझे, आर०
रंगथ्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 21 काकागूड़ा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे ऊपरद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

31-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाष्पत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) रामस्वामी, बोबेनपल्ली, सिकन्दराबाद, (2) लक्ष्मी पन्टर प्रायसेस, 3-6-291/1, हैदरगूड़ा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. बासवी को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 21, काकागूड़ा, सिकन्दराबाद, 1 एकड़।

आर० रंगथ्या,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(भार साधक),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० आर० ए० सी० 93/75-76:—यतः, मुझे, आर० रंगव्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

30-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) एम० डेवीड पुत्र मिचेल, (2) लक्ष्मी पट्टर प्रायसेस, विजयवाडा। (अन्तरक)
2. वासवी को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाँद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 21 का भाग, काकागूडा, सिकन्दराबाद।
क्षेत्रफल—4840 वर्ग गज।

आर० रंगव्या,
सक्रम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(भारत साधक),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12 अगस्त, 1975।
मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निवेश सं० 2352/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० झावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 1059/2 और 1067 है तथा जो
..... में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
ऊटकमण्ड (डाकुमेन्ट सं० 1614/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के फन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) संर्वे श्री टी० एम० दुरेसामि, टी० एम० रंधाचार्जी,
श्रीमती इन्तिरा रामदूरे; श्रीमती पट्टु भरधावा और
श्रीमती घायत्रि मूर्ति। (अन्तरक)

(2) श्री सत्य साह सेन्ट्रल ट्रस्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(1) ऊटकमण्ड में 49. 65 5/16 एकर की भूमि जिसका
एस० सं० 1059/2 और (2) ऊटकमण्ड में 1. 72 5/16 एकर
की भूमि (मकान के साथ) जिसका नया एस० सं० 1067।

जी० वी० झावक,
स्थम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख : 11 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निवेश सं० 2352/74-75:—यतः; मुझे, जी० बी० ज्ञानक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1042, 1044, 1057/1
बी० 1ए०, 1057/5 और 1059/2ए० 1 उट्कमण्ड में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उट्कमण्ड (डाकुमेण्ट
सं० 1615/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-226GI/75

(1) सर्व श्री टी० एम० दुर्सामि; टी० एम० रंधारारी;
श्रीमती इन्दिरा रामदुर्गे; श्रीमती पद्मा भरधारा और
श्रीमती धायान शूर्ति। (अन्तरक)

(2) श्रीमती जरीना बाय और श्रीमती मानिकमाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पञ्चांशी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोमुक्ताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

उट्कमण्ड में 10 एकर की भूमि, जिसका आर० एस० सं०
1042, 1044, 1057/1 बी० 1ए०, 1057/5 और 1059/
2ए० 1 ।

जी० बी० ज्ञानक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 11 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निवेश सं० 2358/74-75—ग्रंजन: मुझे, जी० बी० झावक, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 758, 759, 760 और 761 नन्जुन्डापुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोयम्पटूर (डाकुमेण्ट सं० 3048/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रंजन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकुमारत (मैनर घाड़ियन : श्रीमती राजलक्ष्मि (अन्तरक)

(2) श्री पी० के० अलधिरि सामि नायुडु (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नन्जुन्डापुरम में 8.93 एकड़ की भमि जिसका सर्वे सं० 758 और 759।

जी० बी० झावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज II, मद्रास

तारीख: 11 अगस्त, 1975।

मोहर:

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०——

(1) श्री एम० एन० सिवकुमार,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टि० एस० पेरियसामि घौण्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निदेश सं० 2373/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० ज्ञावक,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 4 और 6 हैं तथा जो मादम्पट्टि गांव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II,
कोयम्पूर, "डाकुमेण्ट सं० 3061/74" में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से द्वारा किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राथेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भादम्पट्टि गांव में 5 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं०
4 और 6।

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 11 अगस्त, 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक, 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 2373/74-75—यतः मुझे जी० वी० शाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 3, 4 और 6 है तथा जो मादम्पटि
गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
II, कोषमपत्र 'डाकुमेंट सं० 3062/74 में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री एम० एन० सिवकुमार (अन्तरक)

2. श्रीमती पलनि अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मादम्पटि गांव में 6-68 एकड़ की भूमि जिसका एस सं०
3, 4 और 6

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

दिनांक : 11-8-1975

मोहर :

प्रकृष्ट भाई० टी० एन० एस० —————

1. श्री एम० एन० सिवकुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्रीमती रंघनायिधि

(अन्तरिती)

269-ग(1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकासः—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 2373/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० एस० सं 4, है तथा जो मादम्पट्टि में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जे० एस० आर-2, कोयम्पूर (डाकुमेंट सं०
3063/74 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती
हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही कार्य होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मादम्पट्टि गांव में 5 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 4

जी० वी० झावक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

1. श्री एम० एन० शिवकुमार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री शिवसुब्रमनियन (मैनर) कुमारविजेल (मैनर)

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षणेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-JJ, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 2373/74-75—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञावक,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 4, है तथा जो मादम्पट्टि गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द इसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अनुसूची

मादम्पट्टि गांव में 5-24 एकड़ का भूमि जिसका एस० सं० 4

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज- , मद्रास ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 11-8-1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

1. श्रीमती एम० एस० दारा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री आर० एस० सुश्रामनियम (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 2373/74-75—यतः मुझे जी० बी० शाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०एस० सं० 5/1 है तथा जो तीतिपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर-II, कोयम्बतूर (डाकुमेट सं० 3119/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधाके लिए;

(क) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

तीतिपालयम गांव में 4-40 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 5/1

जी० बी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 2373/74-75—यतः मुझे, जी० वी० शाबक,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी
सं० एस० सं० 5/1 है तथा जो तीतिपालयम गांव में स्थित है)
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-I, कोयम्ब-
तूर (डाकुमेंट 3120/74) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त स्वतंत्रण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एन० शिवकुमार (अन्तरिती)

2. श्री आर० एम० मुरुघेसन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

तीतिपालयम गांव में 4.50 एकड़ की भूमि जिसका एस०
सं० 5/1

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनांक : 11-8-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्रीमती रघनाथवि अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती कामाशी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक, 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० 3233/74-75—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञावक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्व० सं० 401/1 नीलिघीरी तेर्कु तोटम तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्जाऊर (डाकुमेंट सं० 4792/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

5—226GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तन्जाऊर, नीलिघीरी तेर्कु तोटम भूमि और मकान जिसका सर्व० सं० 401/1

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनांक: 11-8-1975

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक 7 अगस्त 1975

निर्देश सं० IX/7/156/75-76—यतः मङ्गे, जी० वी०

ज्ञावक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी सं० 31 ए, है जो पानीयन रोड़, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए तो, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एम० मंकरनारायणन, बंगलूरू-1 (अन्तरक)

2. दी वेस्मान इंजीनियरी कंम्पनी मद्रास-8 (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-8 पानीयन रोड़ डोर सं० 31ए में एक ग्राऊंड और 1446 स्क्युयर फोट की खाली भूमि (आर० एस० सं० 1623 सी०)।

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

दिनांक : 7-8-1975

मोहर :

प्र० सं. 10 टी० एन० एस०————

1. श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास-10 (अन्तरक)

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० जयराम, मद्रास-34 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ।

दिनांक, 7 अगस्त 1975

निर्देश सं. IX/9/106/74-75—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञावक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है और जिसकी सं. 15 है जो हारिटेन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कायलिय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, हारिटेन रोड डोर सं. 15 में 3 ग्राउंड और 387 स्कुदर फोट की खाली भूमि (आर० एस० सं. 324)।

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-I, मद्रास

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति:—

दिनांक: 7-8-1975

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक, 7 अगस्त 1975

निर्देश मं० IX/7/101/74-75—यतः मुझे, जी० वी०

आबक,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11, है जो मान्दीयत लेन, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावढ अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मुकन्तला अम्माल, मद्रास-8 (अन्तरक)

2. श्रीमती गोमती अम्माल, मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-8 मान्दीयत लेन डोर सं० 11 में 6 ग्राउंड्स श्रीर 212 स्कुपर फीट की भूमि (मकान के साथ) (शार० एस० स० 1605)।

जी० वी० आबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I मद्रास।

दिनांक: 7-8-1975

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अगस्त 1975

निर्देश सं० ओ० पी०/२० ७/आर० ई० सी०/ए० आर० ४/७५-
७६—अतः मुझे श्री जी० ए० जेम्स,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वेक्षण नं० ४१ है, जो ओसिवरा-अन्धेरी में स्थित
है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अ० र० २० बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन
तारीख १७-१२-१९७५।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ यात्रा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बद्रामजी जीजीवोई प्रा० लि० बेलाई हाऊस दूसरा
मजला, मेंगलोर स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई-४००००१ (अन्तरक)

2. श्री हिरजी नान्जो केन्चा और अन्य २२८, नरसी नाथा
स्ट्रीट, बम्बई-४००००१ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय २०-के यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी०-१, सी०-३, सी०-४, सी०-५, सी०-९, सी०-१३. १
सी०-१४, सी०-१५, सी०-२२ और सी०-२३ जो माप में १८२१
वर्गगज (१४६४.०६ वर्गमीटर), १६३४ वर्गगज (१३६६.२२
वर्गमीटर), १७२० वर्गगज (१४३८.१४ वर्गमीटर), ३१९४
वर्गगज (२६७४.७७ वर्गमीटर), १६८० वर्गगज (१४०४.६९
वर्गमीटर), १०१० वर्गगज (८४४.४९ वर्गमीटर), १०१०
वर्गगज (८४४.४९ वर्गमीटर), १०१६ वर्गगज (८४४.४९
वर्गमीटर), ११३५ वर्गगज (९४९ वर्गमीटर), १२०५ वर्गगज
(१००७.५३ वर्गमीटर) और रास्ता जो माप में ५०२१ वर्गगज
(४१९८.१९ वर्गमीटर) है और स्थ मिलकर इंडस्ट्रियल एसिया
का एक अंश बनाया है, जो सर्वेक्षण नं० ४१ गांव शोसिवरा में है
जो रजिस्ट्रेशन उपजिला आनंदा जिला बम्बई उपनगर में स्थित है
और इहां आया हुआ यह उपजिला का स्कोप जो उक्त इंडस्ट्रियल
एसिया, जो सर्वेक्षण नं० ४१ में स्थित है और उससे बृहत्तर बम्बई
म्युनिसिपल कारपोरेशन की ओर से भंजूरी उसके नं० टी० पी०
/ए० ओ०/८११ दिनांक २-६-१९६६ के अनुसार दी गई है।

जो० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-चार बम्बई।

दिनांक : १२-८-१९७५

मोहर :

प्रक्षेप नाम० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I मद्रास

दिनांक, 12 अगस्त 1975

निदेश सं० IX /3/129/1974-75—यतः, मुझे, जी० रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 287, है, जो नम्बू चट्ठी स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँड़ि किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सी० नटराजन चेट्टी और आदि, मद्रास। (अन्तरक)

2. श्रीमती मेहरशिसा बीगम और आदि, रामनातपुरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास—1, नम्बू चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 287 में एक ग्राउंड और 921 स्क्युर फीट की भूमि और मकान (ग्राह० एस० सं० 4664)।

जी० रामनातन,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक 12-8-1975

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास
मद्रास-600006, दिनांक 11 अगस्त 1975

निदेश सं० XVI /7/5/1974-75—यतः, मुझे जी०
रामनातन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 179/2, है, जो एरमैपट्टी गांव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महूडनचावडी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन,
तारीख दिसम्बर, 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों
अर्पातः:—

1. श्री पलनी गौडर और ग्रादी (अन्तरक)

2. श्री पलनी गौडर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम् अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एरमैपट्टी गांव एस० सं० 179/2 में 4.70 एकर जेती का
भूमि।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास

दिनांक 11-8-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई।
बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/226/74-75—अतः मम्मे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-5, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सींटी० एस० नं० 4207 ट० 4239 ओल्ड सं० नं० 75 रि० नं० 1 (अंश) 2 (अंश) 3 (अंश) और 4 (अंश) है, जो कोरोल व्हीलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री कान्तीलाल जेसंगभाई मेहता (अन्तरक)
- 2. श्री शान्ता बेन शहा और अदर्स (अन्तरिती)
- 3.

भाडोक्तियों की सूची :

बिल्डिंग नं० 21

1. कनसारा पांडुरंग गोपालजी
2. कृष्णानंद हरिश्चंकर पांडे
3. केशवभाई देसाईभाई पटेल
4. ठक्कर जसत्तीलाल जमनादास
5. देवजी जालीमसींग पनवाला
6. शेठ आनन्दजी मावजी
7. दारजी जीवरजी अम्बालाल
8. वाढीलाल चामसी गांधी
- बिल्डिंग नं० 22
9. कानजी हीरजी
10. शेठ शात्तीलाल प्रेमजी
11. दिनेशचंद्र गौरीशंकर
12. जेठालाल कालीदास दोशी
13. नवनीताल सुकलाल शेठ
14. चपाचाई तालसानिया
15. मगनलाल सी० पारेख
16. भारमल सोमय्या
17. शारदाबेन धीरजलाल दोशी

18. कांचनबेन हिमतलाल
19. वैद्यराज हंसराज रणछोड़दास
20. संपत चंगभज धरमशी
21. जी० व्ही० मेहता थ्रेन्ड अदर्स
22. ठोकरसी मुलजी
23. गोरधनदास नारंजी
- बिल्डिंग नं० 24
24. हरगोविंददास जी० घेडिअल
25. मीस्ती देवराम हीरजी
26. दुर्गनिशंकर डी० दवे
27. लालजी एस० मेहता
28. केशवचन्द्र के० शहा
29. शांतीलाल न्यालचन्द्र
30. हीरालाल व्ही० शेठ
31. सीनी पुर्वोक्तम गाला
32. मगनलाल जी० घेलेला
33. गुलाबदास जी० शहा०
34. एम० पी० ठक्कर
35. निमलोव एन० पटानी
36. जी० व्ही० मेहता एण्ड कंपनी
37. रामनारायण आर० सालमा०
38. नरोत्तम एच० कमादार०
39. विजयशिल चतुरभुज

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मुनसीपालटी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर में घाटकोपर गांव किरोल तालुका कुरला में स्थित एवं मौजूद वह तमाम भूखंड या भूभाग या भूस्थल साथ में वहां पर निर्मित वे सभी भवन एवं संरचनाएँ जो पहले टाइल के अनुसार माप में 4438 वर्गगज समकक्ष 3714.47 वर्गमीटर या अस आसपास लेकिन नगर सर्वेक्षण के अनुसार पैमालश में 4402 वर्गगज समकक्ष 3680.07 वर्गमीटर यहां आसपास की जिसका नगर सर्वेक्षण नं० 4207 से 4239 सी० टेल्यूर और जिसका पुराना सर्वेक्षण नं० 75 हिस्सा नं० 1) (अंश) 2 (अंश) 3 (अंश) 4 (अंश) है और बम्बई महानगर पालिका द्वारा एन० वार्ड नं० 570, 570(2) 571(1) 572, 573, 575, 577 और गली नं० 21, 21, ए, 22, 23, 24, 25, 26 और 27 के अंतर्गत निर्धारित है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् उत्तर की ओर से अंशतः मोतीलला धारीलाल की जायदाद एवं अंशतः मूलजी भेघजी लासेनवाला की जायदाद द्वारा, पण्डित की ओर से चपुर्भुज वल्लभदास खटाव की जायदाद द्वारा, पूर्व की ओर ये महात्मा गांधी मार्ग द्वारा और दक्षिण की ओर से नारायण गांविंद राठी तथा अन्य की जायदाद एवं अंशतः मनोरदास एम० नरोत्तमदास की जायदाद द्वारा।

जे० एम० मेहरा,

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 7-8-1975

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

अर्जन रेज-5, बम्बई

प्रक्षण धारा० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1975

निदेश सं० 223/74-75/19—यतः मुझे, जे० एम० मेहरा,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि उपावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० न० 128 हि० न० 7-बी सी टी० एस० 795 प्लाट टीवा में है, जो मुलुंड में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिति की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आवितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-826GI/75

1. श्रीमती रमाधारा० नामदेव बेती और (प्रतरक)

2. स्टेट बैंक आफ इंडिया स्टाफ चिक्कलेखा को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह टुकड़ा जो मुलुंड पूर्व बम्बई 81 में स्थित है जिसका सर्वे नं० 128 हि० न० 7- बी, सीटी खर्वी सर्वे सीटीएस नं० 795 (प्रेश) टोका नं० 110 है जो माप से 1180 वर्गमील याने 986.59 वर्गमीटर जो रेकार्ड आफ राइग्रेस के मुताबिक है और 1200 पग वर्गमील याने 1003.32 वर्गमीटर जो निश्चित माप से या उसके समकक्ष है व और जो रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्धा बृहतर बम्बई जिला, कुर्ला तालुका और निम्न प्रकार से विरा दुश्चा है अर्थात् उत्तर या दक्षिण के और सर्वे नं० 128 का हिस्सा नं० 3 दक्षिण की ओर सर्वे नं० 8 का हिस्सा नं० 11 पूर्व की ओर से सर्वे नं० 128 हिस्सा नं० 7ए, 8 और 9 और पश्चिम की ओर से सर्वे नं० 128 हिस्सा नं० 7-सी और 7 डी।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-5, बम्बई।

दिनांक : 7-8-75

मोहरः

प्रलूप ग्राही० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 12 अगस्त 1975

निदेश सं० 232/ए० सी० क्य० 23-371/7-3/74-75—
यतः, मुझे, पी० एन० मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 141/1, 142/2, 142, 143, 131 पैकी, 132 पैकी, 140 और 145 पैकी है, तथा जो ग्राम ओरालिया ता० गणदेवी, जि० बलसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की लाभत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) द्वारा, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री डाह्याभाई डिबाभाई मिस्त्री दपोरा, ना० गणदेवी जि० बलसार (अन्तरक)

(2) प्रिसिपल आकिसर, एस्पी एओ इक्युपमेंट प्रा० लि० ग्राम: ओरालिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे न० 141/1, 141/2, 143, 131 पैकी, 132 पैकी, 140 और 145 पैकी कुल माप 4एकड़ 38.5 गुणा है और जो ग्राम ओरालिया, ता० गणदेवी जि० बलसार में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी गणदेवी के दिसंबर 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 466 में निर्देशित है।

पी० एन० मितल,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 12-8-75

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन०एस०—

(1) श्री आर० बीरप्प गोन्डर और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

(2) श्री सख मलै गोन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास-600006, वित्तांक 11-8-1975

निदेश सं० XVI/10/7/74-75—अतः, मुझे, जी रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 552/2, ओहवन्टूर गांव है, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, मोहन्नूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओहवन्टूर गांव एस सं० 552/2 में 0.65 एकर खेती का भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख: 11-8-1975

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री आर० बीरप्पा गौन्हर और प्राही (अन्तर क)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11-8-1975

निदेश सं० XVI/10/8/74-75—यतः, मुझे, जी रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), को धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 553, ओरवन्तर गांव है, (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मोहनूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री सखमलै गौन्डर (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओरवन्तर गांव एस० सं० 553 में 0.59 एकर खेती का
भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, मद्रास।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री आर० वीरप्प गोन्डर और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पवनी आन्धी गोन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11-8-1975

निदेश सं० XVI/10/9/1974-75 यतः, मुझे, जी रामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 552/2, ओरुवन्तु रही, जो में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय मोहन्हां रजिस्ट्रीकरण में अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओरुवन्तु गांव एस सं० 552/2 में 0.65 एकर खेती का भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम श्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री प्रार० धीरज गोन्डर और आदी (अन्तरक्)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री वलनी आनंदी गोन्डर (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11-8-1975

निदेश सं० XVI /10/10/1974-75—यतः मुझे,
जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 553, 554/3 और 554/2, ओरुम्भूर
है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 16 दिसम्बर 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, ग्राहीतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में
से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अघोषस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ओरुम्भूर गांव एस सं० 554/3, 554/2, और 553 में
0.61 एकर खेती का भूमि ।

जी० रामनातन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० —————

1. श्री गार० वीरपा गौड़र और आदि। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री करुण गौड़र। (अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं. XVI/10/11/1974-75—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. एस० 554/1, 555/2, 557/1 और 561, है, जो ओरुवन्नूर गांव, नामक्कल में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोहनूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या मर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के मनुष्यरथ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मर्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मर्यों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ओरुवन्नूर गांव एस० सं. 554/1, 555/2, 557/4 और 561 में 0.73-1/2 एकड़ खेती का भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास;

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006 दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० XV/3/1/1974-75—यतः, मुझे, जी०
रामानाथन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० 1.48 एकड़, मल्लान किनर है जो,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कार्यपट्टी
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० सुम्मरायलु (अन्तरक)
2. श्री एन० आर० के० प्रार० रविन्द्रा सिवाकासी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अपेक्षा:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विष्वास, मल्लानकिनर गांव आर एस० 271-2 सी-2,
271, 3 बी० और 271, 7-बी० में 1.48 एकड़ की
भूमि और मकान (सिनिमा थियेटर)।

जी० रामानाथन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास-600006।

दिनांक 11 अगस्त 1975।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

1. श्री मन्तु गौड़र और आदि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुव्रस्ति गौड़र

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास-600006

मद्रास-600006 दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० XVI/8/9/1974-75—यतः, मुझे जी० रामानाथन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 31/1, 31/2 और 32-सी०, नई पट्टी है, जो..... में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मल्लसमुद्रम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच [ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—226GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नई पट्टी गांव एस० सं० 31/1, 31/2 और 32-सी० में 2.84 एकड़ खेती का भूमि।

जी० रामानाथन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास-600006।

दिनांक 11 अगस्त 1975:

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर दिनांक 12 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3501/74-75/एव्यू०/वी०
—यतः, मेरो, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० गृह नं० (पुराना 9) नया नं० 7 है तथा जो वाल्टन रोड सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 दिसंबर 1974 दस्तावेज नं० 3159/74-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री फडरिक सम्मुल

(2) श्रीमती ग्लाडिस एथल साम्युल

पर्टनी फडरिक साम्युल, नं० 7 वाल्टन रोड़ सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती पेरसिस कुरियन पत्नी अम्पाट तोमस जार्ज कुरियन, नं० 7, वाल्टन रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह कापोरेशन नं० (पुराना-9), नया नं० 7, वाल्टन रोड़ सिविल स्टेशन, बंगलूर-1

भूमि क्षेत्रफल — 128'—100'—12,800 वर्गफीट

निर्मित क्षेत्रफल :—

	स्कोर्यस	स्कोर्यस
प्रधान मकान . .	20.74	28.17
रसोई घर . .	2.40	5.53
गैरेज . .	1.65	2.27
ओसारा . .	2.88	2.88
कुल . .	26.67	38.85

सीमा :—

उत्तर . .	वाल्टन रोड जो श्री फर्नाइट्स का है।
दक्षिण . .	वाल्टन रोड।
पूर्व . .	वाल्टन रोड।
पश्चिम . .	निजी सड़क जिसका परिमित प्रमाण 128' है (उत्तर और दक्षिण म) 100' (पूर्व और पश्चिम म)।

दस्तावेज नं० 3159/74-75।

दिनांक 20 दिसंबर 1974।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख : 12 अगस्त 1975।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 12 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3547/74-75—यतः, मुझ, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सेट नं० 9/1 है तथा जो अग्रहारी तिम्म-सन्द्र, डोड्डवयलखाना, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बैंगलूर-4, दस्तावेज नं० 4341/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री पी० आर० श्रीनिवास सेट्टी,
(2) श्री पी० एस० श्रीधर,
नं० 8, I मैन रोड, गान्धीनगर, बैंगलूर-9
(अन्तरक)

2. श्री दयाकाल विद्या, नं० 21, 4 आस, जे० सी० रोड, बैंगलूर-2
(अन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 9/1, अग्रहारा तिम्मसन्द्र, डोड्डवयलखाना, बैंगलूर।

क्षत्रफल 116'+116-1/2/2 × 361---27-1/2/2
—3554 वर्ग फीट।

दस्तावेज नं० 4341/74-75 दिनांक 30 दिसम्बर 1974

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलूर।

तारीख 12 अगस्त 1975।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 12 अगस्त 1975

निवेश सं० सी० आर० 62/3566/74-75—यतः, मुझ, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 301/168 है तथा जो 8, मैन रोड, होसहल्ली, एक्सटेन्शन विजयनगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम, बैंगलूर दस्तावेज नं० 3367/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21 दिसम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सी० एम० राजाराम सुपुत्र माधिकर्यम पिल्लू
7/ए०, 10 श्रास, मागजि रोड, बैंगलूर-23 (अन्तरक)

2. श्रीमती सिद्धिलिङ्गम्मा पल्ली चन्नय्या कितनहल्ली,
दासनपुर होलकी, नेलमनगल तालुक, बैंगलूर जिला
(अन्तरिती)

3. (1) श्री राजगोपाल,

(2) श्री जम सी० सिवन्ना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री एच० वीरभद्रय्या (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मन्जिला इमारत नं० 301/168, 8, मैन रोड, होसहल्ली, एक्सटेन्शन, विजयनगर, बैंगलूर।

क्षेत्रफल $30' \times 46' = 1380$ वर्ग फीट।

इमारत 23 वर्ग

दस्तावेज नं० 3376/74-75 दिनांक 21 दिसम्बर 1974।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक 12 अगस्त 1975।

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूर दिनांक 12 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी आर० 62/3633/74-75—यतः सुन्ने,
 आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
 रेज, बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य ₹ 25,000/- से अधिक है
 और जिसकी सं० 9 (पुराना 32 तथा 32 ए०) है तथा जो
 दामोदर मोदलियार स्ट्रीट, अलसूर, बैंगलूर-8 (ब्लॉक नं० 3)
 में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में शिवाजी
 नगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं० 3445/74-75 में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
 20 जनवरी 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सुन्ने,
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. (1) श्री बी० शिवलाल भाई सुपुत्र लेट भगवानदास
- (2) श्री एस० जीतेन्द्रकुमार,

(3) श्री एस० राजेन्द्र प्रसाद,
 नं० 132, इनप्यान्टी रोड, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्रीमती राम्भान्ना के० एस० करियप्पा की बेटी
 नं० 27, दामोदर मोदलियार स्ट्रीट I कास, अलसूर,
 बैंगलूर-8
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

नं० 9, पुराना नं० 32 और 32-ए०, दामोदर मोदलियार
 स्ट्रीट, 1 कास, अलसूर, बैंगलूर-8 (ब्लॉक नं० 3)।

धेत्रफल 115'×46'—5290 वर्ग फीट

सीमा :—

पुर्व	. . .	ब्लॉक नं० 2, नं० 9 दामोदर मोदलियार स्ट्रीट।
पश्चिम	. . .	I कास, दामोदर मोदलियार स्ट्रीट।
उत्तर	. . .	ब्लॉक नं० 1, नं० 9, जो एम० कृष्णप्पा को बेची गई।
दक्षिण	. . .	दूसरों की सम्पत्ति।
दस्तावेज	नं० 3445/74-75	दस्तावेज नं० 3445/74-75 दिनांक 20 जनवरी 1975।

आर० कृष्णमूर्ति,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेज, बैंगलूर।

दिनांक 12 अगस्त 1975।

मोसर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/3632/B—यतः, मुझे,
आर० कृष्णामूर्ति, सहायक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है और जिसकी सं० गृह नं० 32-ए (पुराना 32
नं० (नया) का एक भाग-फिलहाल का नं० 32 है तथा जो नं० 9
दामोदर मुदलियार स्ट्रीट 1 क्रास अलसूर, बंगलूर-8 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दस्तावेज नं० 3444/74-75 दिनांक 20
जनवरी 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृद्धयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल;
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री वी० शिवलाल भाई सुपुत्र स्वर्गीय श्री
भगवानदास,
- (2) श्री एस जितेन्द्र कुमार,
- (3) श्री एस० राजेन्द्र प्रसाद, श्री वी० शिवलाल
भाई के पुत्र, नं० 132 हॉफ्ट्री रोड में
रहने वाले। (अन्तरक)

2. श्री एस० कृष्णपा सुपुत्र स्वर्गीय श्री मुनिस्वामी
जमीदार और टेकेदार नं० 23 जी० नं० 10आ० स्ट्रीट,
जौगुपालयम, अलसूर, बंगलूर-8
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

इटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 32-ए० (पुराना) 32 (नया) फिलहाल
का नं० 9 दामोदर मुदलियार स्ट्रीट। क्रास अलसूर बंगलूर-8
का एक भाग।

भूमि क्षेत्रफल — 4100 फीट।

सीमा :—

पूर्व . . . श्री के० ए० चन्द्रशेखर की
सम्पत्ति।

पश्चिम . . . श्री वी० पेस्माल या कुट्टि
पेस्माल की सम्पत्ति और
दामोदर मुदलियार स्ट्रीट [
क्रास।

उत्तर . . . निजी सम्पत्तियां।

दक्षिण . . . उक्त सम्पत्ति (ब्लाक 3) का
दक्षिणी भाग जो श्रीमती
साराम्पा को बचा गया है
और उक्त सम्पत्ति का दक्षिण
पूर्वी भाग (ब्लाक 2) जो
गुरुसेवामंडली (रजिस्टर्ड)
अलसूर बंगलूर-8 को बेचा
गया है।

दस्तावेज नं० 3444/74-75 दिनांक 20 जनवरी
1975।

श्री एस० कृष्णामूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर।

दिनांक 13 अगस्त 1975।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर दिनांक 12 अगस्त 1975

निवेश सं० सी० आर० 62/3638/74-75—यतः,
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1 है जो क्यानां फोर्ड गार्डन्स, बैंगलूर-25 डिविजन 60 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं० 3550/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24 जनवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सादात अली खान पुत्र लेट बी० एम० सन्ना खान साहेब, भागीदार सन्ना डैडिंग कम्पनी नं० 39 II मेन रोड, बैंगलूर-18 (अन्तरक)

2. (2) श्री के० एस० सिराज अहमद पुत्र लेट मैगद सलाम महेब

(2) गफीमुन्निसा अहमद पत्नी के० एस० सिराज अहमद, नं० 3/1, लयाना फोर्ड गार्डन्स, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-25। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3/1, लयाना फोर्ड गार्डन्स, सिविल स्टेशन, बैंगलूर-25 (डिविजन नं० 60)।

क्षेत्रफल 6450 वर्ग फीट।

इमारत: 30.20 वर्ग फीट

सीमा :

उत्तर नं० 3, लयाना फोर्ड गार्डन्स जो अरेलेच मैडिकल एन्टर प्रैस से का है—220 फीट।

दक्षिण नं० 4, लयाना फोर्ड गार्डन्स—204 फीट।

पूर्व नं० 8/पुराना नं० 5-जी० कार्स्वेल रोड-53 फीट।

दक्षिण क्याना फोर्ड गार्डन्स—16-1/2 फीट।

स्तरावेज नं० 3550/74-75 दिनांक 24 जनवरी 1975।

श्रार० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक),
अर्जन रेज. बैंगलूर।

दिनांक 12 अगस्त 1975।

मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 अगस्त 1975

स० आर० ए० सी० 90/75-76—यतः मुझे आर० रंगथा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है
और जिसकी स० स० नं० 21 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दरित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट मही किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री रामस्वामी (2) लक्ष्मी हट्टरप्राइसेज, भागीद्वार
द्वारा श्री बापथ्या चौधरी, सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री वासवी ओआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद।
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 21, कैन्टोनमेन्ट स्थल, काकागूडा मोजा सिकन्दरा-
बाद में स्थित है। क्षेत्र 4840 वर्ग गज।

आर० रंगथा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) (भारसाधक),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 12-8-1975

मोहर :

प्र० रूप शाई०टी०एन०एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० III-102/अर्जन/75-76/1069—यतः ममे उपोतीन्द्र नाथ, निरीक्षी सहायक ग्रायकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी खाता सं० 176 तथा 216, एलोट सं० 1, 2, 18 और 2647 है तथा जो गारी एवं बेरेन (रांची) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-12-74, 2-1-75, 3-1-75, 21-1-75, 28-1-75, 29-1-75 और 8-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

1. श्रीमती बीबी तैयारा खातून जौजे खा० बहादुर सेयद गुलाम, जिलानी, बूटी रोड, गोरी, रांची। (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती त्रिलोक तारनी सिन्हा, जौजे श्री क० क० सिन्हा, मेडिकल कालेज, रांची।
- (2) डा० सचिदानन्द सिन्हा, मेडिकल कालेज, रांची।
- (3) श्रीमती शान्ति सिन्हा, जौजे श्री गया चन्द्र सिन्हा, मेडिकल कालेज, रांची।
- (4) श्रीमती डा० इन्दु सिन्हा, जौजे डा० सचिदानन्द सिन्हा।
- (5) श्री ज्ञान चन्द्र नारायण सिन्हा, वल्द श्री कृष्ण चन्द्र नारायण सिन्हा, मेडिकल कालेज, रांची।
- (6) श्री बजराज भूषण प्रसाद, वल्द शिवराम चन्द्र प्रसाद शेरपुर, मुजफ्फरपुर।
- (7) श्रीमती जानकी देवी, जौजे श्री कुसागर लाल, सा० ढोही, थाना कुड़नी, जिला मुजफ्फरपुर।

- (8) श्री रे मदेव कुमार, वल्द श्री गया प्रसाद, सा० रसूलपुर जिला मुजफ्फरपुर।
- (9) श्री अवधि कुमार प्रसाद सिन्हा, वल्द श्री सिद्धेश्वर प्रसाद सिन्हा, मा० विन्द, थाना अस्थावाँ, जिला नालन्दा।
- (10) डा० निर्मला सिन्हा, जौजे डा० नारायण सिंह, सा० अवारी, थाना मोहनिया, जिला रोहतास, वर्तमान 3क/80 वरियातु हाउसिंग कालोनी, रांची।
- (11) श्रीमती ऊपा श्रीबास्तव, जौजे श्री जनार्दन प्रसाद, कलमवाग रोड, मुजफ्फरपुर।
- (12) अरुण विश्वोर नारायण पुली श्री जुगल किशोर, मेडिकल कालेज, रांची।
- (13) श्रीमती निर्मला देवी, जौजे श्री गौरी शंकर प्रसाद, नया टोला, मुजफ्फरपुर।
- (14) श्री विश्वनाथ प्रसाद, वल्द श्री कुरोश्वर प्रसाद, कृष्णानगर, पटना।
- (15) श्री कामता प्रसाद, वल्द श्री श्याम बिहारी, लालपुर, रांची।
- (16) श्रीमती रंजन देवी, जौजे श्री गोपी कृष्ण प्रसाद, निलरतन स्ट्रीट, रांची।
- (17) श्रीमती सीता सिंह, जौजे श्री कन्हैया प्रसाद, सा० मधुबारी, जिला भोजपुर।
- (18) श्रीमती शान्ति देवी, जौजे श्रीशोक कुमार सिंह, औरंगाबाद।
- (19) श्री धर्मदेव प्रसाद, वल्द श्री करंगधारी प्रसाद, सा० सुरंगपुर, थाना जहानाबाद, जिला गया।
- (20) श्री मधुसूदन चौधरी, वल्द श्री सिवलोचन चौधरी।
- (21) श्रीमती सरोज गुप्ता, जौजे श्री ललन प्रसाद गुप्ता, औरंगाबाद।
- (22) श्री मधुसूदन चौधरी, वल्द श्री शिष्ठ लोचन चौधरी, अपर बाजार, रांची।
- (23) श्री जग नारायण प्रसाद, वल्द श्री राम चरित्र साहू (स्व०) गोरखनाथ लेन, अपर बाजार, रांची।
- (24) श्री मनोज कुमार, वल्द श्री द्वारिका प्रसाद, मेन रोड, रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन लगभग 304 कड़ाव वृक्ष, तालाब, दो मजिला मकान इत्यादि जो गांव गारी एवं बर्गेन, रांची में स्थित हैं तथा जिसका मु० वा० सं० VII, हो० सं० 261 खाता सं० 176 एवं 216 प्लाट सं० 9, 2, 18 और 2646 चौर जो 24 विभिन्न दस्तावेज सं० 18308 से 18315 तक दिनांक 25-12-74, सं० 65 दिनांक 3-1-75, सं० 76 दिनांक 2-1-75, सं० 1118 से 1124 तक दिनांक 21-1-75, सं० सं० 1536 से 1538 दिनांक 28-1-75, सं० 1680 दिनांक 28-1-75 एवं सं० 2432 से 2438 दिनांक 8-2-75 में पूर्णरूप से वर्णित हैं।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विहार, पटना।

तारीख : 13-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल
इन्दौर, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०

एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 12 दौलतांगंज मेन रोड है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के आंच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैतुः—

1. श्रीमती शांति देवी विश्वा स्वर्गीय कुंदन लाल चन्द्री, निवासी वरदालतगंज, इंदौर (अन्तरक)

2. अब्दुल रजाद, (2) नूर मोहम्मद, (3) अब्दुल मजीद और अदयस पुत्र श्री अब्दुल सकूर निवासी 45 दौलतगंज, इंदौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12, दौलतगंज, मेन रोड, इंदौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8-8-75।

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं० —यतः मुझे,
एम० एफ० मुल्ही,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी री० एक एवं द्विमंजिल मकान नं० 2 सी०, शाहजहांना-
बाद है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के सिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कन्हैयालाल और राम स्वरूप पुत्र स्व० सेठ बद्रीलाल
अग्रवाल, इतवार रोड, भोपाल।
(अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल श्रीवास्तव, भोपाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषिताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में अपरिभाषित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक और द्विमंजिला मकान नं० 2 सी०, मोहल्ला शाहजहांना-
बाद, वार्ड नं० 2, भोपाल में स्थित है।

एम० एफ० मुल्ही,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 8 अगस्त, 1975
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०———

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०

—यतः

मुझे, एम० एफ० मुन्ही,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० द्विमंजिला मकान का एक हिस्सा, पुतलीघर के पास, शाहजहांनाबाद है, जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीक्युट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. श्रीमती नाजिम बेगम पत्नी डा० मजीद हुसैन, निवासी पुतलीघर रोड, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुशीला देशी पुत्री धोवर चंद जी नाहर, निवासी कसेरा गली, मकान नं० 9, मारवारी रोड, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्विमंजिला मकान का एक हिस्सा, नई कालोनी, पुतलीघर के पास शाहजहांनाबाद भोपाल में स्थित है।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०

—यतः

मुझे, एम० एफ० मुन्शी,

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान स्टेशन मंडी, बसौदा में स्थित है, जो बसौदा में स्थित है (और दूसरे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसौदा में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, ' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचातु:—

1. श्री बाबूलाल दुबे पुत्र श्री शालता प्र० दुबे, निवासी रेलवे बजरिया, भोपाल।
(अन्तरक)

2. श्री रघुराय सिंह पुत्र उमेद सिंह, (2) श्री ब्रजेश कुमार पुत्र तखत सिंह, निवासी, किसबोदा, तहसील बसौदा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्टेशन मंडी बसौदा तहसील बसौदा में स्थित है।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

—४८—

निदेश सं०

मुझे, एम० एफ० मुन्यारी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० कृषि भूमि 10 एकड़े केवडेश्वर गांव, तहसील
और जिला इंदौर है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रस्तुति: यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों पर आर्थात् —

2. श्री (1) गुरु प्रसाद, (2) श्री स्वामीस्वरण, (3) श्री-
शरण सभी पुत्र श्री सिद्धनाथ, (4) श्रीमती सावित्री बाई पत्नी
श्री सिद्धनाथ, गांव तिलोरकुर्हा । (अन्तरक)

2. श्री रामेश्वर प्रसाद, (2) श्री पुरुषोत्तम पुत्र श्री सिद्धनाथ निवासी तिलोरकुई, तहसील और जिला हन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

कृषि भूमि 10 एकड़ कावडेश्वर गांव, तहसील एवं जिला, अन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : ८-८-१९७५

मौहर

प्रख्यात आई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०

अतः मुझे एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 575, प्लाट नं० 7, एम० जी० रोड, इन्दौर, 3700 वर्ग फुट क्षेत्रफल है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में शौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती एण बाई पत्नी अध्युल करीम आफ बाम्बे द्वारा मुख्यार हाजी गफार हाजी करीम, 25 जवाहर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्री ताराचंद पुत्र भागीरथ जी, सकलेचा, 25 मोती तवेला, नं० 2, इन्दौर।
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, मकान नं० 575, एम० जी० रोड, इन्दौर
3700 वर्ग फुट, क्षेत्रफल।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8 अगस्त, 1975
मोहर :

प्रश्नप आई० टी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०

अतः, मुझे एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खुला प्लाट जावरा कम्पाउन्ड, 2760 वर्ग फुट क्षेत्रफल, इन्दौर है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुन्न भवर लाल जी सेठी, मानिक भवन, तुकीगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती साफिया बाई पत्नी सफुदीन रंगवाला, बम्बे बाजार, खंडवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर, क्षेत्रफल 2760 वर्गफुट।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 8 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1975

निर्देश सं०

अतः मुझे एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फेक्ट्री, मकान प्लाट नं० 33, लक्ष्मीनगर, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-226GI/75

1. श्री हरगोपाल निर्मल दास गुप्ता निवासी 100, इन्दौर कम्पाउन्ड, इन्दौर। (अन्तरक)

2. देल्ही आटोलम्प्स प्राइवेट लि०, मुख्य कार्यालय, तुकीगंज, मुख्य सड़क, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फेक्ट्री मकान प्लाट नं० 33, लक्ष्मीबाई नगर, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज' भोपाल।

तारीख : 8 अगस्त, 1975

मोहर :

प्र० अर्थात् आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1975

निर्देश सं।

अतः मुझे एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० छाया मकान नं० 49, स्कीम नं० 2 (स) ब्लाक नं० 27, पलासिया रोड, इन्दौर है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1968 का 17) के अधीन 19

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रवी शंकर संकुरवार पल्ली स्व० श्री ग्रीकार सिंग और काशीवारा निवासी मकान नं० 3, क्र० नं० 3, नई पलासियम इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्री नवनीत भाई, केशवलालजी पारिख और दूसरे, जवाहर मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छाया पुराना मकान नं० 47, मैं० स्कीम नं० 2 (स) ब्लाक नं० 26, पलासिया (नया) नं० 3, पलासिया रोड, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, इन्दौर।

तारीख : 8 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1975

निर्देश सं०

अतः मुझे एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुला प्लाट, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर 2760 वर्ग फुट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजेन्द्रकुमार पुत्र भवरलाल जी सेठी, मानिक भवन, तुकीगंज, इन्दौर।
(अन्तरक)

1. श्री शांतीलाल पुत्र रखबदास जैन, 18/6 छोटी ग्वाल टोही, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर-2760, वर्ग फुट, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 8 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रख्यात ग्राही टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं० यतः,

मुझे, एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट और मकान सब्जी बाजार, सड़क नं० 20 म० नं० 50, इन्दौर है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-कृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री गोविंद केशव यादव, निवासी राजेन्द्र नगर, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जानकी वाई पली रामासरे कौशल, श्रीमती लक्ष्मीवाई पत्नी रामासरे कौशल, निवासी हाथीपाला रोड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरांशी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकारी को;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'प्लाट और मकान सब्जी बाजार, सड़क नं० 2, मकान नं० 50, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 8-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 अगस्त 1975

निर्देश सं०一一

यतः मुझे एम० एफ० मुन्ही प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० ए० 15 का छोटा हिस्सा, उत्तरीभाग, शिव विलास महल, राजवाड़ा चौक है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाष्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

१. मैसर्स शालिगराम नटवरलाल नीमा एन्ड कंपनी, एम० टी०
क्लाय बाजार, इन्दौर। (आन्तरक)

२. श्री राजेन्द्र पुत्र रामचन्द्रजी शर्मा, एडिटर दैनिक स्वदेश जयेन्द्र गंगा, लक्ष्मणपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-के परिभासित है, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

मकान नं० ए०-१५ का छोटा हिस्सा, उतरी भाग, शिव विलास महल, राजवाडा चौक, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : ८-८-१९७५

मोहर :

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/21-12-74—यतः मुझे,
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० नजूल प्लाट नं० 142 मं० 731 है, जो
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दोषितव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथातः:—

1. श्री भगवान दास रूपचंद्रनी, आत्मज श्री बूलचन्द रूप-
चंद्रनी, साकिन 1196 नैपियर टाउन, होसाइंस कालेज के सामने
जबलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री उत्तम चन्द्र जैन आत्मज स्व० श्री गेंदालाल जैन साकिन
ब्लाक नं० 42, नरसिंहदास विलिंग, गोल बाजार, जबलपुर।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन नजूल प्लाट नं० 1-2, मं० नं० 731 बगैरह 2 स्थित
रझीद भरतीय बाड़, जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/21-12-74—यतः, मुझे,
एम० एफ० मुन्शीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 142 भरतीपुर वार्ड, जबलपुर है, जो
जबलपुर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/ना(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती हारा प्रकट नहीं विद्या गया या या किया
जाना चाहिए था, इनमें में सुविधा के लिए;अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री भगवान दास रूपचंद्रानी, 1196 नेपियर टाउन,
जबलपुर। (अन्तरक)2. श्रीमती शशी प्रभा जैन पत्नी उत्तम चन्द्र चैन, व्हाक नं०
22 बोरा सिंह दारा बिल्डिंग गोल बाजार, जबलपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी थविध बाद
में समाप्त होती है, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदृस्ताक्षरों के पास
निखिल में किए जाएंगे।**स्वल्पीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम लीगा, तो उस अन्याय
में दिया गया है।

अनुसूचा

जमीन प्लाट नं० 142 हिन्दा एसिया 800 वर्ग फीट अकान
नं० 73 भरतीपुर वार्ड, जबलपुर।एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/10-12-74—अतः मुझे
एम० एफ० मन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० म० नं० 107 है जो श्रीनगर कालोनी
इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती कलावती वाई धर्मपत्नी श्री बालकृष्णजी विचरकर
निवासी एम० आर० जी० कालोनी, इन्दौर। (अन्तररक्षा)

2. श्री नरसिंह लाल जी आत्मज वैजनाथ जी चौधरी,
निवासी 40 नायकाओली विवेक पथ नीमच केट, म० प्र० आ०
मुकाम, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किये आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ द्वागा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान श्रीनगर कालोनी, प्लाट नं० 108, इन्दौर।

एम० एफ० मन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/16-12-74—अतः मुझे एम० एफ० मुख्य
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० एस० एलाट नं० 26/2 है, जो खण्डवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’ के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, ‘उक्त अधिनियम’, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, प्रवाहित:—

1. श्री अब्दुल मजीद खां वा मोहम्मद हयात खां मुसलमान निवासी मोघर रोड, खण्डवा, पो० खण्डवा, तहसील खण्डवा।

2. खातून बी० जोजे नूर मोहम्मद जात मुसलमान तेली व्यापारी पो० खण्डवा, तहसील खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम,’ के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नजूल एलाट मं० 16/2 और 27 ब्लाक मं० 5, बाईं नं० 25, म० नं० 8 खण्डवा।

एम० एफ० मुख्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 12-8-1975

मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एम० आर०-इन्दौर/18-12-74—अतः, मुझे
एम० एफ० मुख्य
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी
को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5/1 भंडारी मार्ग, है जो इन्दौर में स्थित है,
(और इसमें उपावड़ अनन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकॉर्ट
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष्मेह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, वे उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपकारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. श्रीमती विनोद कुमारी देवी रां वां मेठ हीरालाल द्वी
कासलीबाल, ठिकान मं० गा० मार्ग, म० न० 572, इन्दौर।
(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार सिंह पिता हीरा लाल जी कासलीबाल
572 मं० गा० मार्ग इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के पीछे
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
वर्था परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

हिम्मा 5/1 का डाक्टर रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर।

एम० एफ० मुख्य
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11-8-75

सोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/4-12-74—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० न० 159/1 सराफा वार्ड है, जो जबलपुर में स्थित है (और इसे उपायद्वारा अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1998 का 16) के अधीन 4-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मालतीराय जोजे श्री रञ्जू लाल राय, मा० भक्षगढ़, जिला दामोह (अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला देशी जोजे श्रीगंकर लाल जी सराफ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्तोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 159/1 सराफा वार्ड, जबलपुर।

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जारीकरने वाला

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रलेप माई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/सिहोगा/27-12-74—अतः, मुझे
एम० एफ० मुन्ही

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 13 वार्ड नं० 10 है, जो सीहोरा में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीहोरा में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्न 27-12-1974

तारीख 27-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती द्रोपदी देवी शर्मपत्नी श्री रामकाल गुप्त,
छिलोना बाजार, सीहोरा। (अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ प्रसाद वल्ल श्री महादेव प्रसाद, छिलोना
बाजार, सीहोरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

म० न० 13 वार्ड न० 10 स्थित छिलोना बाजार, सीहोरा।

एम० एफ० मुन्ही
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 11-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 अगस्त 1975

निर्देश सं० एस० आर०/जबलपुर/5-12-74—अतः मुझे
एम० एफ० मुश्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० म० नं० 438 से 438/2 तक है, जो
जबलपुर में स्थित है (श्रौत इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री दुसीचन्द्र साय स्व० श्री दयालभाई पालन निवासी
चौरीताल, जबलपुर एवं श्री धनश्याम दास आत्मज स्व० श्री
वन्नीधिर बेटे, निवासी मिलोन गंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तराबाई पत्नी श्री प्रेमनारायण अग्रवाल,
निवासी कोतवाली बाजार, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य से।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लिखित
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

म० नं० 438 से 438/2 तक स्थित कोतवाली बाजार,
जबलपुर।

एम० एफ० मुश्ति
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन० एस०—————

1. फमं पशाजी गोराजी मन्दसौर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

1. श्री मोभाग मल जी पिता श्री मांगीलाल जी, मन्दसौर ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 1: अगस्त, 1975

निर्देश सं० एस० आर०/मन्दसौर/4-12-74—अतः मुझे
एम० एफ० मुख्यी

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी भूमि ८० म० न० २११ है, जो मन्दसौर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर पुर्ण ह्य से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में भारतीय रजिस्ट्री-हृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नहीं प्रावादी स्कीम नं० 1, रोड नं० 3, मन्दसौर स्थित म्यू० कमेटी नं० 211 का भाग जिसकी चतुर्हसीमा निम्न प्रकार है।

एम० एफ० मुख्यी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्रकाश आई० ई० एन० एस०-----

1. म० एम० आर० वी० बंशीलाल रामरत्न दास सराफा
जबलपुर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11 अगस्त, 1975

निम्नें सं० एस० आर०/जबलपुर/23-12-75—अतः मृक्षे
एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० म० न० 750 और 719 जबलपुर है, जो
जबलपुर में स्थित है (ओर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 23-12-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से
कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए :—

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अवित्यों अधिति :—

2. सर्वथा (1) ओंकार प्रसाद तिवारी, (2) गोविन्द
पाथ, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

म० न० 750 का हिस्सा और म० न० 719 स्थित सराफा
जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 11-8-1975

मोहर :

प्र० भा० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 अगस्त 1975

तिवंश सं० ध० ए० सी० 92/75-76—यतः, मृजे,
भौर० रंगथा०

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका नियमित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 55/2 काकागृष्णा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (भौर इससे उपादाननुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:—

1. रोहिनी जे० देवारा, (2) मेसर्स लक्ष्मी एन्टरप्राइजेस, विजयवाड़ा, भागीदार द्वारा श्री पी० बापद्या जीधरी (अन्तरक)

2. वासवी कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्सवांधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में पदा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संख्या० 55/2, काकागृष्णा, कन्टोनमेंट ऑफ, सिकन्दराबाद,
क्षेत्र — 4840 वर्ग गज

भौर० रंगथा,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-8-1975

मोहर :

प्र॒ख प्रा॒इ॒ं टी॒० एन॒० एस॒०—

(1) M/s. Vijayalaxmi Cotton Mills, Ganapavaram,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) M/s. Nicoimpex Corporation, Guntur.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, KAKINADA

the 2nd August 1975

Acq. File No. 221/J, No. I(598)/GTR.—

अतः मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 134/A, 173/C2 Ganapavaram है जो में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायलिय, Chilakaluripeta में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—226GI/75

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as sale deed dated 18-12-1974 registered vide document No. 6305 of S.R.O., Chilakaluripeta.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज,
KAKINADA

दिनांक : 8-8-1975

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रमल कुमार मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मधुसूदन दत्त

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 अगस्त 1975

निर्देश सं० टी० आर०-51/सि०-44/कलकत्ता-2/74-75--
यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5 बी० है तथा जो ओरियेन्ट रो कलकत्ता में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह कलकत्ता में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के शर्तों कर देने के अन्तरके के दायित्व में कभी करने ।। उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्षत :—

3. (1) हिण्डियन कारबाह्ड इन्डिया लि० (2) आर० एस० जहर (3) इलैक्ट्रिकल मैनुफैक्चरिंग लि० (4) के० एन० घोष (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

5 बी० ओवररेन्ट रो, कलकत्ता-17 में अवधि स्त दो तल्ला
मकान का 1/4 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 14-8-1975 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रमल कुमार मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 अगस्त 1975

निर्देश सं० टी० आर०-50/सि०-43/कलकत्ता-2/74-75—
यतः, मुझे, ए स० के० चक्रवर्तीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है औरजिसकी सं० 5 वीं है तथा जो ओरियेन्ट रो कलकत्ता-1
में स्थित है, (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; तियालदह
कलकत्ता में, रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-12-1974 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में आमी करने या उससे बचने में मुविशा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुविशा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—3. (1) इंडियन कारबाईच इन्डिया लि० (2) आर० एस०
जहर (3) इलेक्ट्रोकाल मैनुफैक्चरिंग लि० (4) के० एन० धोष
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षम
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

5 वीं ओरियेन्ट रो कलकत्ता-17 में अवस्थित दो तलाएँ
मकान का 1/4 हिस्सा।एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, I, कलकत्ता

दिनांक: 14-8-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री रमल कुमार मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर०-49/सि०-42/कलकत्ता /74-75—
यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5 बी, है तथा जो ओरियन्ट रो कलकत्ता
में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 11-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पांच प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सुनील चन्द्र दत्त (अन्तरिती)

3. (1) इण्डियन कारबाईंड इन्डिया लि० (2) आर०
एस० जहर (3) इलेक्ट्रिकल मैनुफैक्चरिंग लि० (4) के०
एन० घोष

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
मद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरि-
भावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

5 बी, ओरियन्ट रो कलकत्ता-17 में अवस्थित दो तला
मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 14-8-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रमल कुमार मित्र (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री पूर्ण लक्ष्मी दत्त (अन्तरिती)

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

3. (1) इण्डियन कार्बाइड इण्डिया लि०

भारत सरकार

(2) आर० एस० जहर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) इलैक्ट्रिकल मैन्यूफैक्चरिंग लि०

अर्जन रेज, कलकत्ता

(4) क० एन० घोष

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1975

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

निर्देश सं० टी० आर० 52/सी० 45/कल०-2/74-75—
यतः, मुझे, एस० क० चक्रवर्ती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन संभाग प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ५ बी है तथा जो ओरिएन्ट रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 दिसम्बर 1974

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप —

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5-वी ओरिएन्ट रोड कलकत्ता-17 में अब स्थित दो तल्ला मकान का 1/4 हिस्सा।

एस० क० चक्रवर्ती,
संक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

दिनांक : 14 अगस्त 1975।

मोहर :

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1975

निदेश सं० ए० एस आर/ 134/ 75-76—यतः मुझे, वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सुलतानेविड सबर्बन अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम या' धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यद्य 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरजाप सिंह, भिलाप सिंह समुद्रान श्री जसबीर सिंह वासी गोविन्दनगर, सुलतानेविड, अमृतसर। (प्रत्यक्ष)

2. श्री गुरदयाल सिंह, जोगिन्द्र सिंह समुद्रान श्री संता सिंह, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)

*3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

*4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मूलि जैसा कि रजिस्ट्रीकर विलेख नं० 7853 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तहसील अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14 अगस्त, 1975

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रकाश आई० दी० एन० एस० — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1975

निदेश सं० एफ डी के/135/75-76—अतः मुझे वी० आर० संगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन साथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मिशन ग्रांड कोटक्यांग रोड, मुक्तसर में स्थित है (और इससे उत्तरवाह अनुमूली में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 74 तथा मार्च व अप्रैल 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्र में व्यास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. श्री शिव नन्दन लाल अरोड़ा, श्री एस० एल० अरोड़ा, श्री दयाल सिंह सन्धू तथा शगन लाल आहुजा वासी मुक्तसर।
(अन्तरक)

2. (1) श्री गुरदर्शन सिंह सुपुत्र श्री कपूर सिंह वासी मुक्तसर।

- (2) श्रीमती महिंद्र कौर पत्नी श्री जुगराज सिंह वासी मुक्तसर।
 - (3) हरीमंड्र सिंह सुपुत्र श्री जुगराज सिंह वासी मुक्तसर।
 - (4) श्रीमती जसपाल कौर पत्नी श्री गुरदर्शन सिंह वासी मुक्तसर।
 - (5) श्री चरन दास गुप्ता सुपुत्र श्री प्यारा लाल वासी मुक्तसर।
 - (6) श्री कस्तूरी लाल सुपुत्र श्री राजाराम वासी मुक्तसर।
 - (7) श्री रघवीर चन्द्र सुपुत्र पृथी चन्द्र वासी मुक्तसर।
 - (8) श्रीमती कौशला देवी पत्नी श्री कस्तूरी लाल सुपुत्र राजा राम वासी मुक्तसर।
 - (9) श्री जोत राम सुपुत्र श्री भोला राम वासी मुक्तसर।
 - (10) श्री सत पाल सुपुत्र श्री किशन सिंह वासी मुक्तसर।
 - (11) डा० सर्वन जौली वासी मुक्तसर।
 - (12) श्री रघवीर चन्द्र सुपुत्र श्री बाबू राम वासी मुक्तसर।
 - (13) श्रीमती विपला पत्नी पंडित रघवीर चन्द्र वासी मुक्तसर।
- (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सुचि रखता है।
(वह अवित्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड्रूट विलेखन० 2436, 2437, 2438 तथा 2435 दिसम्बर, 1974। 3158, 3155, 3157, 3154, 3000, 2979, 2977, 2978, 3152 मार्च, 1975 तथा 245 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में है।

वी० आर० संगर
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 अगस्त 1975।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1975

निवेदण सं० बीटीडी०/ए० पी०-137/75-76:—यतः
मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सकार अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव लोगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सरदूलगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात् :—

1. श्री लट्कान सिंह सपुत्र श्री गुलाब सिंह वासी लोगर

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह हरदेव सिंह सपुत्रान दयाल सिंह दयाल सिंह सपुत्र माहला सिंह वासी लोगर। जुगिन्द्र सिंह महिन्द्र सिंह सपुत्रान श्री करनेल सिंह गांव आलुपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में शव्वि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक अधिकारी के अधीन के निए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 112, 113 तथा 114 दिसम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरदूलगढ़ में है।

वी० आर० सगर
सकार अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 14 अगस्त 1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अगस्त, 1975

निर्देश सं० अ०१०-१/१०२२-७/दिसम्बर-७४:—अतः

मुझे एन० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसक संप्लाट नं० 362 और 362 बी० सी० एस० नं० 264/10 है जो किंग सर्कल में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार बम्बई में माटुंगा डिवीजन रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जोन बोमानजी दुभाष (अन्तरक)

2. श्री सुरेश मोहनलाल दोषी और अन्य किराएदार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

12—226GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पटेशारी जमिन या मैदान वह तमाम टुकड़ा या भाग जो किंग सर्कल में है जो मापसे 1581 वर्गमीटर और 1321.87 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है जिसका प्लाट नं० 362 ए० और 362 बी० दादर माटुंगा इस्टेट बम्बई महानगरपालिका जो रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई और बम्बई टापू में है और जो निम्नप्रकार से विवर हुआ है उत्तर की ओर से आंशिक रूप से बम्बई महानगर पालिका का प्लाट नं० 363 और जो नीचे निम्न अनुसूची में उल्लेख की गयी और आंशिक रूप से प्लाट नं० 363 बी० पूर्व की ओर से किंग सर्कल जो अब महेश्वर उद्यान से ज्ञात दक्षिण की ओर से प्लाट नं० 362 का भाग जो बूरमन शहा ओईल ड्रिस्टीब्यूटिंग को० ओप्रे इंजिया लिमिटेड को लिज पर दिया है और पश्चिम की ओर से 20 फीट रोड जो ओप्रे साथ में 60 फीट भंडारकर रोड और जमिन का टुकड़ा जिसका नया सर्वे नं० 871 और केड्स्ट्रोला सर्वेक्षण क्र० 263/10 माटुंगा डिवीजन वहां खड़ी इमारत सहित म्यूनिसिपल भावों एवं करों के कर निर्धारित एवं संग्रहक के द्वारा ई० वार्ड नं० 7397/1(1) (1ए०) (1 बी०) (1सी०) और स्ट्रीट नं० 9-9एफ० डी० आवेंडकर रोड और भंडारकर रोड का 81 द्वारा।

अनुसूची दूसरी

भूमि या मैदान का टुकड़ा जो मापसे 1305 वर्गमीटर और 1091.11 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है जो बम्बई महानगर पालिका के दादर माटुंगा इस्टेट के प्लाट नं० 363 पर स्थित है और बम्बई टापू में है और रजिस्ट्रेशन उपजिला बम्बई में है जो निम्नप्रकार से विवर हुआ है उत्तर की ओर 60 फीट अन्दर भंडारकर रोड और 60 फीट डा० आवेंडकर रोड और उसके पार किंग सर्कल उद्यान जो अब महेश्वर उद्यान से ज्ञात दक्षिण की ओर उक्त इस्टेट का प्लाट नं० 362 ए० पश्चिम की ओर उक्त इस्टेट का आंशिक रूप से प्लाट नं० 363ए० और आंशिक रूप से 363 बी० और जो पेटीट नारायन खाजे की लीज पर दिया है और नामिन का एक भाग जिसका नया सर्वे नं० 871 और केड्स्ट्रोल सं० नं० 264/10 माटुंगा डिवीजन वहां खड़ी इमारत सहित और म्यूनिसिपल भावों का एवं करों के करनिर्धारित एवं संग्रहक के द्वारा एफ० वार्ड नं० 7396(2) स्ट्रीट नं० 9-9 एफ० किंग सर्कल और 1-19 भंडारकर रोड द्वारा।

एन० के० शास्त्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 8 अगस्त, 1975।

मोहर

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-J

कलकत्ता-16, दिनांक 13 अगस्त 1975

निवेश सं० ए०सि०-17/आर०-II/कलकत्ता/75-76:—

अतः मुझे आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका नौ तला में प्लाट है तथा जो 8 ए० अलिपुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मशीनों टेकनो सेल्स (प्राइवेट) लिमिटेड 8 ए० अलिपुर रोड़, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री देवी टिब्बरी वालान, अदमपुर भागलपुर बीहार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ विक्री अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 ए०, अलिपुर रोड़, कलकत्ता के नौ तला में 1200 वर्ग फुट क्षेत्रफल का दो कमरा वाला प्लाट है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड़,
कलकत्ता-16

तारीख : 13 अगस्त, 1975
मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 13 अगस्त 1975

निदेश सं० ए० सि०-२२/आर०-II/कलकत्ता/७५-७६:—अतः,
मुझे, आर० वि० लालमोया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 695, 697, ख० सं० 416 और 598 है तथा जो मौजा-जोका, थाना-बेहाला, 24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखत में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सैलेन्ड्रा नाथ दास, सीलपार, बरीसा, थाना बेहाला, 24-परगना।
(अन्तरक)

2. सीमेन्स इन्डिया लिमिटेड, दिल्लील रस्सल स्ट्रीट,
कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वौहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममूसूची

दाग सं० 695 और 697, खनियान सं० 416 और 598, जे० एल० सं०-२१, आर० एस० नं० 94, टौजी सं० 4 मौजा-जोका, थाना-बेहाला, 24-परगना में० 52½ संतक क्षेत्रफल का खाली गमीन।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II
54, रफीअहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 13 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II,
54, रफी अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निदेश सं० ए०सि०-16/शार०-II/लकलकत्ता/75-76:—
अतः मुझे, आर० वि० लालमोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है
और जिसकी जेल सं० 21, आर० एस० 94, तौजी सं० 4 है,
तथा जो थाना-बेहाला, जिला-14 परगना स्थित है (और इससे
उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ एमुरेन्स, कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
प्राप्तियों को, जिन्हें पारंपरीय आयकर अधिनियम
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति:—

1. श्री नन्द दुलाल दास, सीलपार, बरीसा, थाना-बेहाला
24-परगना। (अन्तरक)

2. सेमेन्स इन्डिया लिमिटेड, 6 लिहिल रस्तल स्ट्रीट,
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दाग सं० 698, खलियान सं०-445, जे० एल० सं० 12
आर० सं० सं० 94, तौजी सं० 4, का . 83 डेसिमल थेक्सफल का
खाली जमीन का भौजा-जोका, थाना, बेहाला, जिला-24 परगना
में स्थित है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II
54, रफीअहमद किंदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 13 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1975

निवेश सं० 2361/74-75:—यतः, मुझे, जी० बी० झाबक,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रौस्डन मूल्य एस्टेट डेवला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घूडलूर “शालुमेण्ट सं० 752/74” में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-12-1974।

पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) पी० एस० एस० बोम्मन चट्टियार ;
- (2) बी० तियागराजन ;
- (3) बी० नटराजन ;
- (4) बी० चाम्राज़ ;
- (5) बी० सदासिवन ;
- (6) बी० शन्मुघ्नसुन्दरभ ;
- (7) बी० रादाकृष्णन —;
- (8) बी० सन्करलिङ्गम ;
- (9) बी० राजसेक्हरन ;
- (10) श्री बोम्मण्णस टी० कम्पेनि ।

(अन्तरक)

- (2) उड़ अप्पर एस्टेट, लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्यूकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेवला गांव में रौस्डन मूल्य एस्टेट (डेवला गांव में 417-21 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 96/1; 96/2; 96/3; 96/4; 96/5 बी०; 96/5 सी०; 99; 95/1 बी०; 97/1बी० 2; 97/1बी० 3; 97/1बी० 1; 95/2; 95/3; 98 और 85/1डी० 2 (मकान के साथ) 25.77 एकड़ की भूमि जिसका आर० एस० सं० 93बी०/1ए० 1ए० 2 और 93बी०/1 ए० 1ए० 3।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख : 16 अगस्त, 1975।

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० आर० मुरुघनातन,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० वरदराजुल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1975

निदेश सं० 2359/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० शावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोमरपालयम गांव में 5-90 $\frac{1}{4}$ एकड़ की भूमि जिसका एस० एफ० सं० 189/2, 199, 200 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट सं० 3050/74) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर तालूका, कोमरपालयम गांव में 5-90 $\frac{1}{4}$ एकड़ की भूमि जिसका एस० एफ० सं० 189/2, 199 और 200।

जी० वी० शावक,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16 अगस्त, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एन० सुब्रमनियम,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० सेतु नारायण चेट्टि और एस० जयलक्ष्मी
(माइनर)। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त 1975

निदेश सं० 3227/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० व्हाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी ओर सं० 30, टाउन एक्स्टेण्ड मायुरम में स्थित,
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मायुरम ("डाकुमेण्ट सं०
557/74") में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 4-12-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावधि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मायुरम, टाउन एक्स्टेण्ड में डोर सं० 30 में भूमि और मकान
जिसका टी० एस० सं० 206, ब्लाक सं० 1, वार्ड सं० 3, मायुरम
टाउन।

जी० वी० व्हाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 16 अगस्त, 1975
मोहर :

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 16 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 3227/74-75—यतः मुझे, जी० वी०
शाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी टी० एस० सं० 204 और 205, वाड
सं० 3, मायुरम टाउन है (और इससे उपावदू
श्नुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मायुरम (डाकुमेन्ट सं० 562/74) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 6-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना

ग्रन्तः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती एस० जयलक्ष्मी (अन्तर्क)

(2) श्री के० सेतु नारायण चेट्टि, एस० जयलक्ष्मी
(माइनर) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मायुरम टाउन : वाड सं० 3, ब्लाक सं० 1, टी० एस०
सं० 204 और 205 में 13582 स्क्युर फोट की भूमि।

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास।

तारीख : 16-8-1975

मोहर:

प्रस्तुत धारा ० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० सि०-१८/आर० II/कलकत्ता/75-७६—

प्रतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० आठ तल्ला में फ्लाट है तथा जो ४६, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एश्योरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1974

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-226GI/75

(1) श्री सन्जीव जिन्डल (नांबालक) पिता मुरली धर जिन्डल ४६, आलिपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री कृष्णेन्दु गुप्ता और मिल्ली गुप्ता (नाबालिंग) पिता श्री पूर्णेन्दु गुप्ता, फ्लाट सं० २०, ग्रिटानिया कोर्ट, ३२ बी० न्यू रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

(3) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा (वह व्यक्ति, अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि धारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता के आठ तल्ला में 1234 वर्ग फुट क्षेत्रफल का दो कमरा बला फ्लाट है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, कलकत्ता।

तारीख : 12-8-1975

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० ए० ए० १९६१ का ४३)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० सि० 21/आर०-II/कलकत्ता/75-76—
यतः मुझे, आर० वि० लालमोया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी दाग सं० 695, खतियान सं० 416 है तथा जो मौजा जोका, थानाबेहाला 24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एश्योरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिवे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल कृष्ण दास, सीलपारा, बरिसाल, थाना बेहाला, 24-परगना (अन्तरक)

(2) सीमेन्स इंडिया लिमिटेड, 6, लिट्टल रस्सल स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

द्वितीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 695, खतियान सं० 416, जे० एल० सं० 21, आर० एस० 94, टौजी सं० 4, मैं. 70 सतक धौन्नफल की खाली जमीन जो मौजा जोका, थाना बेहाला, 24-परगना में स्थित है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, कलकत्ता।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० सि० 20/आर०-II/कलकत्ता/75-76—
यतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और और जिसकी दाग सं० 698, खतियान सं० 445 है तथा जो मौजा जोका, थाना बेहाला, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एश्योरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नूपेन्द्रा कृष्ण दास, सीलपारा, बरिसा, बेहाला,
24 परगना
(अन्तरक)

(2) श्री सीमेन्स इंडिया लिमिटेड, 6, लिट्टल रस्सल
स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क० में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 698, खतियान सं० 445, ज० एल० सं० 11, आर० एस० सं० 94, टौजी सं० 4 मे . 82 सतक अंकफल की खाली जमीन जो मौजा जोका, थाना बेहाला, 24-परगना में स्थित है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेज-II, कलकत्ता ।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्वेश सं० ए० सि०-१६/आर०-II/कलकत्ता/७५-७६—
यतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नौ तल्ला में फ्लाट है तथा जो 8ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एश्योरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजीव जिन्डल, 8ए, आलिपुर रोड,
कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्रीमती गायत्री देवी टिबरीबाल, अदमपुर, भागल-पुर, बिहार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8ए, आलिपुर रोड, कलकत्ता के नौ तल्ला में 2200 वर्ग फुट क्षेत्रफल का दो कमरा फ्लाट है।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, कलकत्ता।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही दी० एन० एस०-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० सि०-२३/आर०-II/कलकत्ता/75-७६—
यतः मुझे, आर० वि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी दाग सं० 694 और 695, ख० सं० 105 और 417 है तथा जो मौजा जोका, थाना बेहाला, 24-परगना, स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, रजिस्ट्रोर आफ एयोरेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-12-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्वारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धननजय दासौ, सीलपारा, बरिसा, थाना-बेहाला, 24-परगना
(अन्तरक)

(2) सीमेन्स इंडिया लिमिटेड, 6, लिट्टल रस्सल स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 694 और 695, खतियान सं० 417 और 105, ज० एल० सं० 11, आर० एस० सं० 14, टौञ्जी सं० 4, मौजा-जोका, थाना-बेहाला, 24-परगना में .60 सतक धन-कर की खाली जमीन।

आर० वि० लालमोया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अगस्त, 1975

निर्देश सं०

यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 83 है तथा जो हरिश चटार्जी स्ट्रीट
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आलिपुर सदर 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-12-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रफुट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री समरेन्द्र नाथ राय चौधुरी, 2. श्री
सुरेन्द्र नाथ राय चौधुरी, 3. श्री निर्मल चन्द्र राय चौधुरी
83, हरिश चटार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्रीमती बानो रानी घोष, 21 कालिघाट रोड,
कलकत्ता-25 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि नाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 12 छाटक 21 स्को० फुट जमीन जो
पौर सं० 83 हरिश चटार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित
और जो दलील सं० 6492/1974 के अनुसार है जो
सब-रजिस्ट्रार आलिपुर सदर द्वारा रजिस्ट्री हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन्,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारीख : 11-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त, 1975

निर्देश सं० ए० पी० 208/आई० ए० सी०/ए० आर०-
4/75-76—यतः मुझे जी० ए० जेम्स
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 145 और 146 है, जो गांव आम्बीवली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप०
र० बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 6-12-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम', की, धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री असिंह को० प्रो० हाउसिंग सो० लि० और
मेसर्स न्य० इंडियन क० क० वि० न० 57, गुरुनगर, जे०
पी० रोड, बम्बई-58
(अन्तरक)

(2) मेसर्स माला एन्टरप्रायज, 155 किका रटीट
बम्बई 400001
(अन्तरिती)

(3) मेसर्स जिम लसदिन प्रा० लि०, 16/ए०
अटलामाऊंट रोड, बम्बई-26
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या जमीन का खोंग या जमीन
जो गांव आम्बीवली में जो पूर्वतः उपजिला बान्द्रा में सातथ
सालसेट तालुक बम्बई उपनगर में स्थित है, जिसका हक
अधिकार के अभिनेख के अनुसार माप में 141812 वर्ग गज
अथवा 118569 वर्ग मीटर या उसके आसपास है जिसका
सर्वेक्षण नं० 145 और 146 जो गांव आम्बीवली में हैं
और उक्त जगह साथ में लगाये हुए संलग्न गांव प्लान
के अनुसार इस प्रकार से घिरा हुआ है उत्तर की ओर से
अन्धेरी वरसोवा रोड द्वारा दक्षिण की ओर से वरसोवा
गांव की सीमा द्वारा पूर्व की ओर से कुछ अंश सर्वेक्षण नं०
147 द्वारा और कुछ अंश अन्धेरी गांव की सीमा द्वारा
और पश्चिम की ओर से कुछ अंश वनाथा द्वारा रास्ते द्वारा
और कुछ अंश वारसोवा गांव की सीमा द्वारा।

जी० ए० जेम्स,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 4, बम्बई।

तारीख : 13-8-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त, 1975

निर्देश सं० टि० आर०-301/सि०-288/कल०-1/74-75—यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० पी० 25 है तथा जो प्रिनसेप स्ट्रीट कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नरमेन्ट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-
12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर दिने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री 1. पान्नालाल गांगुली, 2. हीरालाल गांगुली,
- 3. सनत कुमार गांगुली (अन्तरक)
- (2) श्री जहरलाल गांगुली 2. शिशिर कुमार गांगुली (अन्तरिती)

(3) 1. अजित सिंह कुकरेजा, 2. मेसर्स पी० एस० आटोमोबाईलस, 3. मोहनलाल जईन, 4. मेसर्स दीमेस तोषाणी एण्ड से० के० तोषाणी, 5. मेसर्स लक्ष्मी चंद पान्नालाल केदारनाथ, 6. मेसर्स काण्ठी साईकल रिक्षा को०, 7. मेसर्स बाम्बे एण्ड कलकत्ता साईकल को०, 8. मेसर्स गोस्वामी एण्ड को०, 9. श्री ल मी चंद मेंहदीरता, 10. श्री श्रीकुमार कमलेश मालदालियम पारेख, 11. सुरेन्द्रजीत जईन, 12. श्री अमरनाथ गुप्त, 13. श्री एन० एस० दोषी, 14. मेसर्स ए० जे० थप्पा, 15. श्री लीलायम फथ चंद बालानि, 16. श्री कान्ति-लाल जेथलाल, 17. श्री रसिकलाल एन० जाजाणी, 18. श्री एस० इन्द्रजीत सिंह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

अन्तरक का हिस्सा पी० 25 नं० प्रिनसेप स्ट्रीट, कलकत्ता
(पहले 61 बेन्टिक स्ट्रीट कहा जाता था) में प्रवस्थित 3
कट्टा 14 लटाँक जमीन पर अवस्थित चार तला निवास
का मकान और उसके साथ अलग सम्पत्ति।

एस० के० चक्रवर्ती,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, कलकत्ता।

तारीख : 14-8-1975

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd August 1975

No.A 32013/1/75-Admn.I.—Shri J. B. Gupta, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service, who was earlier appointed to officiate in Selection Grade of the Service up to 10th May 75 has since been appointed to officiate in the Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 11th May, 1975 until further orders vide Cabinet Secretariat, Department of Personnel & Administrative Reforms Notification No. 4 52/74-CS-I dated 25th July, 1975 Shri Gupta will continue to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 11th May, 1975 until further orders.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th August 1975

No. F. 3/22/74-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis, Shri Mehtab Singh, Assistant Commandant/JAD (MT), in the Dte. General as Commandant in the CRP Force until further orders.

2. Shri Mehtab Singh handed over charge of the post of Assistant Commandant/JAD (MT), Dte. General, CRPF on the afternoon of 1st July, 1975 and took over charge of the post of Commandant, 21st Bn CRPF on the forenoon of 7th July 1975.

The 11th August 1975

No. F. 2/33/75-Estt (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad-hoc* basis Shri R. N. Daya Nand, DY.SP (Coy. Comdr./Quarter Master) as Assistant Commandant in the CRPF until further orders.

2. Shri R. N. Daya Nand handed over charge of the post of DY. SP (Coy. Comdr/Quarter Master) GC, CRPF, Neemuch MP) on the afternoon of 3rd July, 1975 and took over charge of the post of Assistant Commandant, 24th Bn CRPF on the afternoon of 16th July, 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 5th August 1975

No. E-38013(1)/1/75-Ad.I.—On transfer to Bhilai, Shri Raja Sreedharan, IPS (Madhya Pradesh-1957) relinquished the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, FACT (Udyogmandal) with effect from the Afternoon of 10th July 1975 and Shri T. Kannan, IPS (Kerala-1962), assumed the additional charge of the said post with effect from the Afternoon of the same date.

L. S. BISHT
Inspector General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND
AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 8th August 1975

No. 2672-GE.I/121-71.—Comptroller & Auditor General of India is pleased to promote, in officiating capacity until further orders, the following officers to the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. (Scale Rs. 1500—60—1800—100—2000) while holding the posts mentioned after their names with effect from the dates indicated against each, under the second proviso to F.R. 30(I).

1. Shri Lachhman Singh, Chief Accountants Officer, Delhi Development Authority, New Delhi—3rd January 1975.
2. Shri V. T. Sundararasan, Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Cochin Port Trust, Cochin—8th January 1975.
3. Shri L. P. Raizada, Dy Chief Auditor, Municipal Corp. of Delhi, Delhi—13th February 75.
2. No. 2890-GE.I/N-4.—On return from leave from 7th April 1975 to 30th April 1975 Shri T. B. Nagarajan, I.A.A.S. took over as Accountant General, West Bengal, on 1st May 1975. He relieved Shri K. Lalit, I.A.A.S. of his additional charge.
3. No. 2889-GE.I/S-34.—On return from leave from 8th April 1975 to 3rd May 1975 with permission to suffix Sunday the 4th May 1975, Shri R. C. Suri, I.A.A.S. took over as Accountant General, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong on 5th May 1975. He relieved Shri Rajendra Kumar, I.A.A.S.
4. No. 3029-GE.I/M-18/PF.IV.—Shri C. J. Malkani has taken over as Accountant General, Central Calcutta with effect from 14th May 1975 (AN). He relieved Shri K. Lalit proceeding on leave.
5. No. 3133-GE.I/S.27PF.II.—On return from leave from 1st April 1975 to 13th May 1975 and on reversion to the I.A.&A.D. Shri C. S. Swaminathan, I.A.A.S. has taken over as Accountant General, P&T, Delhi with effect from 14th May 1975 (F.N.). He relieved Shri K. P. Rangaswami of additional charge.
6. No. 3586-GE.I/G-43/PF.II.—On return from leave from 20th May 1975 to 5th June 1975 Shri V. Govind Shankar I.A.A.S. took over as Director of Receipt Audit, Office of the Comptroller & Auditor General of India, New Delhi.
7. No. 3825-GE.I/133-73.I.—Comptroller & Auditor General of India has been pleased to promote Shri B. S. Tyle an officer in the senior time scale of I.A.A.S. to officiate in the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. during the period 1st November 1974 to 15th March 1975 as a temporary vacancy, and without prejudice to the claim of his seniors.
8. No. 3901-GE.I/S-30/PF.—The lien of Shri R. Saran, on a post in the I.A.A.S. has been terminated with effect from the 2nd May 1975 in term of F.R. 14-A(d) consequent upon his appointment as Director of Accounts in the Department of Cabinet Affairs in the scale of Rs. 2000—2250 on a permanent basis.
9. No. 4055-GE.I/R-16/PF.II.—On return from leave from 6th June 1975 to 21st June 1975 with permission to suffix Sunday 22nd June, 75 to the leave, Shri S. Ramachandran, I.A.A.S. has taken over as Accountant

General (II), Madhya Pradesh, Gwalior with effect from 23rd June, 1975 (FN). He relieved Shri S. Manzur-e-Mustafa, I.A.A.S. of his additional charge.

10. No. 4318-GE.I/R-30/PF.II.—On return from leave from 23rd 1975 to 11th July 1975 with permission to affix holidays on 22nd June, 12th and 13th July, 1975 to the leave, Shri K. Ranganadham, I.A.A.S. has taken over as Member, Audit Board & *Ex-officio*, Director of Commercial Audit, Ranchi with effect from 14th July 75 (FN). He relieved Shri S. S. Ahmed of his additional charge.

11. No. 4331-GE.I/G-22/PF.—On return from leave from 23rd June 1975 to 5th July 1975 with permission to affix holidays on 22nd June and 6th July 1975 to the leave, Kumari Amrita Grover, I.A.A.S. has taken over as Accountant General (II), Uttar-Pradesh Allahabad with effect from 7th July 1975 (FN). She relieved Shri D. D. Jerath, I.A.A.S. of his additional charge.

12. No. 4387-GE.I/C-8/PF.IV.—Shri P. C. Calla, I. A.A.S. has taken over as Chief Auditor, Railway Production Units, Calcutta with effect from 16th July 1975 (FN). He relieved Shri N. G. Sen I.A.A.S. of his additional charge.

RAMESH CHANDRA,
Asstt. Compt. & Auditor General (P).

NORTHERN RAILWAY

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR

New Delhi, the August 1975

No. Admn/17-14/72.—1. Shri Ram Murti Kapur offg. Assistant Superintendent of office of the C.A.G. of India, is appointed to officiate as Audit Officer in the Office of the Chief Auditor, N. Rly. at Headquarters Office, New Delhi w.e.f. 7th July 1975 (AN) until further orders.

2. Shri Gurdev Bhatia, Section Officer (Audit) a permanent member of subordinate Railway Audit Service, is appointed to officiate as Audit Officer in the Office of the Chief Auditor, N. Rly., at Headquarters Office, New Delhi w.e.f. 9th July 1975 (F.N.) until further orders.

K. S. RANGAMURTHI,
Chief Auditor

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

New Delhi, the August 1975

No. 6/1067/75-Admn.(G)/9424.—Shri Vinay Kumar, a probationer in the Section Officer's Grade of the CSS and Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to resign from Government service with effect from 12th July, 1975 (AN).

B. D. KUMAR,
Chief Controller of Imports and Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-I, the 6th August 1975

No. A-1/1(866).—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri N. K. Mehta, Assistant Director (Sales Tax) (Grade I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the 1st November, 1974.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-13, the 5th August 1975

No. 7069/B/2222(S.M.)/19A.—Shri Sankar Majumder, Senior Technical Assistant (Geology) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 2nd June, 1975, until further orders.

No. 7086/B/2181(SM)/19B.—Shri Samarendra Mukherjee, S.T.A. (Chem), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4th June 1975, until further orders.

The 6th August 1975

No. 8002/B/51/62/19C.—The following officers of the Geological Survey of India are confirmed in the post of Administrative Officer (Gazetted, Class-II) in the scale of Pay of Rs. 475—800 (Pre-revised) in the Geological Survey of India w.e.f. the dates shown against them :—

1. Shri J. M. Chatterjee—22nd February 1971.
2. Shri R. R. Ghosh—16th January 1973.
3. Shri K. R. Baruary—18th January 1973.
4. Shri B. P. Guha Roy—4th June 1973.
5. Shri D. P. Roy—4th June 1973.
6. Shri S. N. Chatterjee—9th July 1973.
7. Shri B. N. Mukherjee—1st October 1973.

V. K. S. VARADAN,
Director General

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 6th August 1975

No. C-4980/718-A.—Shri C. S. Saksena, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate at Establishment & Accounts Officer (GCS Class II), Central Circle Office, Survey of India, Jabalpur, on ad-hoc basis or pay of Rs. 840 p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 17th July 1975 (FN).

No. C-4981/707—The undermentioned officers in Class III Division 1 Service, as indicated against each, are appointed to officiate as Officer Surveyor in Class II Service (Gazetted), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the date as shown against each :

Sl. No.	Name and designation	Unit/Office	With effect from
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri V. D. Dimri, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 2 D.O. (N.C)	1-7-75 (F.N.)
2.	Shri K. L. Swami, Survey Assit. Sel. Gd.	G & R B Office	1-7-75 (F.N.)
3.	Shri S. D. Silva, Surveyor Sel. Gd.	South Eastern Circle Office.	1-7-75 (F.N.)
4.	Shri N. R. Kakde, Surveyor Sel. Gd.	No. 77 Party (SEC)	1-7-75 (F.N.)
5.	Shri T. Rangarajan, Surveyor Sel. Gd.	No. 65 (TCM) Party (Survey Air Dir.)	1-7-75 (F.N.)
6.	Shri P. R. Sachithanandam, Surveyor Sel. Gd.	Pilot Map Production Plant Office.	1-7-75 (F.N.)
7.	Shri K. B. Appachu, Surveyor Sel. Gd.	Survey Training Institute Office.	1-7-75 (F.N.)
8.	Shri H. S. Iyer, Surveyor Sel. Gd.	No. 36 Party (STI)	1-7-75 (F.N.)
9.	Shri T. K. Maitra, Surveyor Sel. Gd.	Eastern Circle Office.	1-7-75 (F.N.)
10.	Shri Sunirmal Das, Surveyor Sel. Gd.	No. 60 Party (CC)	1-7-75 (F.N.)
11.	Shri V. B. Potdar, Surveyor Sel. Gd.	No. 41 Party (SC)	1-7-75 (F.N.)
12.	Shri S. Roy, Surveyor Sel. Gd.	No. 52 Party (SCC)	1-7-75 (F.N.)
13.	Shri A. K. Sarkar, Surveyor Sel. Gd.	No. 22 (Photo) Party (NEC)	1-7-75 (F.N.)
14.	Shri V. P. G. Radhakrishnan, Surveyor Sel. Gd.	No. 16 Party (STI)	1-7-75 (F.N.)
15.	Shri Sri Chand, Surveyor Sel. Gd.	Survey Training Institute Office.	11-7-75 (F.N.)
16.	Shri Khem Chand, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 6 D.O. (NEC)	1-7-75 (F.N.)
17.	Shri K. S. Panwar, Surveyor Sel. Gd.	No. 74 Party (SEC)	1-7-75 (F.N.)
18.	Shri C. S. Chauhan, Surveyor Sel. Gd.	No. 3 Party (NWC)	1-7-75 (F.N.)

No. C-4982/724-SOS(A)—Shri Rawel Singh, Stores Assistant (Selection Grade) (offg.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Class II) in the Geodetic & Research Branch, Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from 1st August, 1975 till further orders.

into Taj Mahal Agra (Uttar Pradesh) on 5th August, 1975 from 4.00 p.m. to 12.00 p.m. (Midnight), 6th August 1975 2.00 p.m. to 3.00 a.m. (6th/7th August night) and 7th August 1975 from 7.00 a.m. to 4.00 a.m. (7th/8th night).

MRS. D. MITRA, Director (Monuments)
for Director General

HARI NARAIN,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 30th July 1975

No. 14/2/75M—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, Mrs. D. Mitra, Director (Monuments) hereby direct that no fee shall be charged for entry

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th August 1975

No. 11-3/74-Admn.-I—On reversion to the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service, Shri H. S. Dhakalia, relinquished charge of the post of Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services on the forenoon of 18th July, 1975, and is transferred to the Dep't. of Health with effect from that date.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn.

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 8th August 1975

No. 3-21/74-Adm.—Shri D. R. Vohra, a permanent Accounts Officer of the Defence Accounts belonging to the cadre of Controller General of Defence Accounts is hereby appointed as Accounts Officer in the Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun, with effect from 1st August 1975 (Forenoon), on deputation terms, until further orders.

ROMESH CHANDRA, Chief Coordinator

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th August 1975

No. A.32013/13/13/75-EC—The President is pleased to appoint Shri A. K. Misra, Technical Officer as Senior Technical Officer at the Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 23rd June 1975 (F.N.) on purely ad-hoc basis vice Shri C. V. Venkatesan, Senior Technical Officer granted leave.

No. A.32013/11/73-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. S. Mullick, Assistant Technical Officer in a substantive capacity in the grade of Assistant Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 1st January 1975.

The 11th August 1975

No. A.32014/3/75-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri P. N. Malik, Communication Assistant as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay with effect from the 12th July 1975 (F.N.) purely on an ad-hoc basis vice Shri D. J. H. Writer, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay granted leave.

No. A.32016/3/74-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, Technical Assistant as Assistant Technical Officer purely on ad-hoc basis at Civil Aviation Training Centre, Allahabad with effect from the 30th June 1975 (F.N.) until further orders.

H. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 11th August 1975

No. A.32013/4/75-EA.—The President hereby promotes the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800, in an officiating capacity, with effect from the 1st August, 1975 and until further orders:—

S. No., Name and Station of posting

1. Shri R. L. Pereira—Deputy Director, Air Routes & Aerodrome (Operations) at Hqrs.

2. Shri S. K. Bose—Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

S. L. KHANPUR,
Asstt. Director of Admn.

DIRECTORATE OF INSPECTION
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th August 1975

C. No. 1041/97/74, No. 10/1975.—Shri K. D. Math, officiating as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection (Customs and Central Excise) New Delhi vice Shri S. N. Verma on deputation, is further allowed to continue to officiate in the same capacity vice Shri B. K. Hajra, Asstt. Chief Accounts Officer proceeded on leave, with effect from 1st August 1975.

B. S. CHAWLA, Director of Inspection.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Anmol Private Limited.*

Delhi, the 4th August 1975

No. 2419/10714.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Anmol Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN,
Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana.

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 2nd May 1975

F. No. 9/316/75-DOMS/511.—On her transfer from the office of the Commissioner of Income-tax, Delhi, Miss I. B. Murdeshwar, Income-tax Officer, assumed the charge of the office of the Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax) New Delhi on the forenoon of 1st May 1975.

H. D. BAHL,
Director of Organisation and
Management Services (I. Tax).

FORM ITNS

(1) Shri Virendra Mehta and Shri Devendra Mehta
S/o Sri Ghyan Chand Mehta R/o Saharanpur,
Ambala Road, Hal Dev Delhi Shamli Road.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chaman Lal Kukreja S/o Bagmal Kukreja and
Shri Prem Kumar Kukreja S/o Shri Chaman Lal R/o
Moh. Matiamahal, Saharanpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August, 1975

Ref. No. 90/Acq/Saharanpur/74-75/869.—Whereas, I F. J.
BAHADUR

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
Saharanpur on 3-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
Parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (residential house) situated at Delhi
Shamli Road, Saharanpur transferred for an apparent con-
sideration of Rs. 1,50,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Dated : 11th Aug., 1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August, 1975

Ref. No. 40/Acq./Hathras/74-75/870.—Whereas, I, F. J.
BAHADUR

being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer

at HATHRAS on 5-12-1974
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act in respect of any income arising from
the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Rambhai Patel S/o Dahyabhai Patel R/o Hathras,
Hal Hadiyadi Distt Kaudhan. 2. Shyambhai Patel
S/o Babubhai, self and guardian Dakshavan 3.
Yogesh Kumar & Prakash (minor) Ss/o Babubhai
R/o Nadiyad. 4. Chinubhai Patel S/o Manibhai
Patel R/o Hathras, (Transferor)

(2) 1. Chandubhai 2. Binubhai 3. Haribadan 4. Chandra-
kant 5. Vishnubhai (minor) Ss/o Adityabhai R/o
Hathras (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or, a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDEULE

Immovable house property known as 'Patel Building' situ-
ated at Nagla Jodha Nai Murshandwar Nagla Lala Road,
Hathras transferred for an apparent consideration of Rs.
1,25,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chiman Lal S/o Shri Badhavan Lal R/o Labour Colony, Sasnidwar, Hathras, Distt. Aligarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th August 1975

Ref. No. Acq/J-3/20/Hathras/74-75/873.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 17-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (land) situated at Ram Nagar, Mursandwar, Hathras Distt. Aligarh, transferred for an apparent consideration of Rs. 26,775/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th August 1975

Ref. No. 254/Acq/Knp/74-75/871.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 20-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kumar Agrawal, H.U.F, consisting of Shri Rajiv Kumar, Son and Smt. Sushila Rani W/o Ram Kumar Agrawal R/o 113/167, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Chetan Prakash
(2) Shri Ratan Kumar
(3) Shri Inderjag Mohan and
(4) Shri Swatantra Kumar all residents of 119/359, Darshanpurwa, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (plot) No. 105/695A, Bhannapurwa, Kalpi Road, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 70,500/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kaushalya Devi W/o Shri Laxmi Chand
Vaish, 35, Chandrapuri, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vivek Mittal S/o Shri Hari Shanker, 35,
Chandrapuri, Ghaziabad, Pargana Launi, Distt.
Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August 1975

Ref. No. 170/Acq/G. Bad/74-75/874.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 10-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE *

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property 28-B, Mirjalan, Behari Nagar, Ghaziabad, Pargana Launi, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 30,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

15...226GI/75

Date : 6th August 1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Lt. Col. Rattan Singh S/o Shri Ralla Singh R/o Clement Town, Dehradun.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Major Narendra Kumar Rai S/o Capt. P. B. Rai R/o Mahesh Cottage Adhoiwala, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th August 1975

Ref. No. 169/Acq/D.Dun/74-75/875.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 16-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property known as 'Hill Crest' situated on Post Office Road, Clement Town, Dehradun within the cantonment area with the land underneath measuring about 1.5 Bigha comprised in Khasra No. 555M Bharuwala Grant Mahal G. E. Paul Niamwala Tehsil and Distt. Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Krishna Devi W/o Shri Ved Prakash
Chabra R/o Panchsheel Colony, Gali No. 4, Garh
Road Opp. State Bank Officers Colony, Meerut City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th August 1975

Ref. No. 147/Acq/MRT/74-75/876.—Whereas, I, F. J. BAHADUR,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Meerut on 16-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Chandrakala Grover W/o Shri R. N. Grover R/o 46/17, Kalyani, Civil Lines, Distt. Meerut.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable single storied property at Gali No. 4, Panchsheel Colony, Garh Road, Opp. State Bank Officer's Colony, Meerut City transferred for an apparent consideration of Rs. 54,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 7th August 1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Sohan Lal S/o Ram Das Kumar R/o 28A, Jain Nagar, Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 149/Acq/MRT/74-75/877.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hira Lal Jain S/o Shri Panjumal Jain R/o 2A, Jain Nagar, Meerut.

(Transferor)

Date : 6th August 1975.

Seal :

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

FORM ITNS

(1) Shri Hari Krishan Lal S/o Lala Narsingh Das
R/o 1/9, Cantt. Patel Nagar, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1975

Ref. No. 186/Acq/BBD/74-75/872.—Whereas, I, F. J. BAHADUR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 28-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Bishan Singh Yadav S/o Late Shri Peerumal Yadav R/o 403, Haveli Haider Kuli, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable house property (residential house) situated at Vill. Bahta Hazipur, Pargana-Launi, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18th August 1975.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Subhashachandra Chandranath Vanakudre,
At :—480, Shukrawar Peth, Sholapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Prabhakar Chandranath Vanakudre,
At :—480 Shukrawar Peth, Sholapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Poona-411 004, the 16th August 1975

Ref. No. CA/5/December/74/Sholapur/224 of 75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Survey No. 275, Plot No. 89, situated at Sholapur,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sholapur on 23-12-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Lease hold Land.

At :—Survey No. 275, Plot No. 89, Sholapur, Tehsil
North Sholapur, Dist. Sholapur.

Area :—21.5 sq. meters.

One storey Building, Build up area 2200 sq. feet.

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 16-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mary Ignatious Ammal, and Smt. Vincent,
No. 37, College Road,
Perumalpuram Palayamkottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 18th August 1975

Ref. No. F. XI/8/5/1974-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 514/2A situated at Bangalow St., New Ward No. 5, Kovilpatti,
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Kovilpatti on December, 1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 70 cents in S. No. 514/2A 1132 at Eluppaiurani Kovilpatti, New Ward No. 5, Bungalow Street.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 18-8-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Indian Church Trustees 51, Chowringhee Road,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Balaka Co-operative Housing Society Ltd., P-16/1B,
Keyatola Road, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 14th August 1975

Ref. No. 277/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, Sri L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68, Ballygunge Circular Road and 224/1, Acharya Jagadish Bose Rd. Calcutta (Portions) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Reg. of Assurance Calcutta on 12-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land and a portion of tank containing a total area of one bigha four Kattas fourteen Chhattas, and forty sq. ft. being portions of 68, Ballygunge Circular Road, Calcutta and 224/A, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

I.. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Sri R. Ragupathi Reddy, R/o Bowenpally, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sri Laxmi Enterprises, H. No. 3-6-291/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Vasavi Cooperative Society, Ltd. Secretariat Rd, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 95/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 21, situated at Kakuguda Village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 23-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Survey No. 21 at Kakuguda, village, Secunderabad. Area : 1 acre 10 guntas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

16—226GI/75

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ratnabi, J. Devara W/o Jal A. Debara, Teluk Road, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. M/s. Sri Laxmi Enterprises, 3-6-291/1 at Hyderabad, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(2) M/s. Vasavi Cooperative Housing Society Ltd.
H. No. 6-1-91 at Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 96/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 55/2 situated at Kakaguda, village, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 24-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDEULE

Property : Survey No. 55/2 at Kakaguda village, Secunderabad. Area : 1 acre 15 guntas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. K. V. Ramani and P. Balareddy,
2. M/s. Laxmi Enterprises, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC No. 91/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 55/2 situated at Kakaguda village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Secunderabad on 30-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : S. No. 55/2 at Kakaguda village, Secunderabad Contonment Area Serunderabad,
Area : 4840 Sq' Yards.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Ramaswamy, R/o Bowenpally, Secunderabad.
2. M/s. Sri Laxmi Enterprises, 3-6-291/1 at Hyderabad, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Vasavi Cooperative House Building Society, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 94/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing S. No. 21 situated at Kakaguda, Villg. Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on 31-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of land admeasuring one acre, Survey No. 21 at Kakaguda, village, Secunderabad.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Sri M. David S/o Michael, 2. M/s. Sri Laxmi Enterprises, Vijayawada,
Now at Bowenpalli, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 93/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 21 situated at Kakuguda Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Secunderabad on 30-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Vasavi Cooperative House Building Society, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : A portion of land S. No. 21 at Kakuguda village, Secunderababd.

Area : 4840 Sq. Yards.

R. RANGAYYA,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.2352/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 1059/2 & situated at Ootacamund

1067

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ootacamund (Doc. No. 1614/75) on 9-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri T. M. Duraiswami;
 - 2. Shri T. M. Rungachary;
 - 3. Smt. Indira Ramadurai;
 - 4. Smt. Pattu Bhargava; and
 - 5. Smt. Gayatri Moorthy,
- No. 13, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Sri Satya Sai Central Trust, Prasanti Nilayam, Township, Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (1) Land measuring 49.65-5/16 acres bearing S. No. 1059/2 Ootacamund &
- (2) Land measuring 1.72-5/16 acres (with buildings) bearing New S. No. 1067, Ootacamund.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.2352/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. Nos. 1042, 1044, 1057/1B1A, 1057/5 & 1059/2A1, situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 1615/74) on 11-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri T. M. Duraiswami;
2. Shri T. M. Rangachary;
3. Smt. Indira Ramadurai;
4. Smt. Pattu Bhargava; and
5. Smt. Gayatri Moorthy,
No. 13, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Mrs. Zareena Bai,
15, Aboo Sait Street, Ooty; and
Mrs. Manikkammal,
Bikkatty, Kundah Bridge P.O. The Nilgiris.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres and bearing R. S. Nos. 1042, 1044, 1057, 1B1A/5, and 1059/2A1 Ootacamund.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sukumaran (Minor) by guardian &
mother Mrs. Rajalakshmi (W/o Shri P. S. Rama-
krishna Rao),
Ayyarthottam, Pappanaikenpalayam,
Thadagam P.O., R. S. Puram, Coimbatore-2.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II.

MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2358/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 758, 759, 760 & 761 Nanjundapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore (Doc. No. 3048/74) on 16-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri P. K. Alagiriswami Naidu,
S/o Shri Krishnam Naidu,
Pappanaikenpalayam. Thadagam P.O.,
Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8.93 acres of land bearing Survey Nos. 758, 759, 760 and 761 Nanjundapuram.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. N. Sivakumar,
S/o Shri Nataraja Gounder,
Madhampatti.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. S. Periasami Gounder,
S/o Shri Subban Gounder,
Thenmanallur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 4 and 6, situated at Madhampatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR II, Coimbatore (Doc. No. 3061/74) on 18-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 acres and bearing S. Nos. 4 and 6, Madhampatti village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—226GI/75

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. N. Sivakumar,
S/o Shri Nataraja Gounder,
Madhampatti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Palaniammal,
W/o Shri M. Palanichami
Madhampatti,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 3, 4 & 6, situated at Madhampatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 3062/74) on 18-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6.68 acres and bearing S. Nos. 3, 4 and 6 Madhampatti village.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. N. Sivakumar,
S/o Shri Nataraja Gounder,
Madhampatti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Renganayagi,
W/o Shri T. S. Periasami Gounder,
Thenamanallur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4 (5 acres of land), situated at Madhampatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 3063/74) on 18-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land admeasuring 5 acres and bearing S. No. 4, Madhampatti village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. N. Sivakumar,
S/o Shri Nataraja Gounder,
Madhampatti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sivasubramanian (Minor) &
Kumaravadivel (Minor)
S/o Shri M. Palanichami,
Madhampatti.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 4, situated at Madhampatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

JSR II, Coimbatore (3064/74) on 18-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5.24 acres and bearing S. No. 4
Madhampatti village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. M. S. Dhara,
W/o Shri M. N. Sivakumar,
Madhampatti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. M. Subramaniam,
S/o Shri S. Muthu Gounder,
Ravathur,
Palladam Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5/1, situated at Theetipalayam (Doc. No. 3119/74)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore on 30-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4.40 acres and bearing S. Nos. 5/1, Theetipalayam village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. N. Sivakumar,
S/o Shri M. S. Nataraja Gounder,
Madhampatti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. M. Murugesan,
S/o Shri S. Muthugounder,
Ravathur, Palladam TK.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. 2373/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 5/1, situated at Theethipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 3120/74) on 30-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land admeasuring 4.50 acres and bearing S. No. 5/1, Theethipalayam village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Renganayaki Ammal
W/o Shri Gnnapanditha Mudaliar,
10A, Selvam Nagar, Thanjavur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Smt. Kamatchi,
W/o Shri R. Manickam Kumarar,
10A, Selvam Nagar,
Medical College Road, Thanjavur.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.3233/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Survey No. 401/1, situated at Nilagiri Therku Thottam, Tanjore (Doc. No. 4792/74) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanjore on 19-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 401/1 Nilagiri Therku Thottam, Thanjavur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri M. Sankaranarayanan, I.A.S.
22, Cunningham Road, Bangalore-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Wesman Engg. Co., (P) Ltd.,
1/2, Allenby Road, Calcutta-20,
Madras Office : 31/A, Pantheon Road, Madras-8.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are confined in Chapter XXA of
the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land at Door No. 31-A, Pantheon Road, Egmore, Madras-8, measuring 1 ground and 1446 sft. (R.S. No. 1623-C).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, (I/c), Madras-6

Date : 7-8-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri J. H. Tarapore,
12, Landons Road,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Jayaram,
26, Sterling Road,
Madras-34.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F.IX/9/106/74-75.—Whereas I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

15 situated at Harrington Road, Chetput, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Madras on December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds and 387 sq.ft. at door No. 15, Harrington Road, Chetput, Madras (R. S. No. 324).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, (I/c), Madras-6

Date : 7-8-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—
18—226GI/75

FORM ITNS—

(1) Mrs. Sakuntala Ammal,
7, Montieth Lane,
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th August 1975

Ref. No. F.IX/7/101/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

11 situated at Montieth Lane, Egmore, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madras on December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Gomathi Ammal,
3-C, Davidson Street,
George Town, Madras-1.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring about 6 grounds and 2112 sq. ft. at No. 11, Montieth Lane, Egmore, Madras-8 (R.S. No. 1603).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-1, (I/c), Madras-6

Date : 7-8-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Byramji Jeejeebhoy Pvt. Ltd.

Ballard House, 2nd Floor, Mangalore St. Fort,
Bombay-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 12th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots C-1, C-3, C-4, C-5, C-9, C-13, C-15, C-22 and C-23 admeasuring 1821 sq. yds., 1634 Sq. yds., 1720 sq. yds. 3194 Sq. yds., 1680 Sq. yds. 1010 Sq. yds. 1010 Sq. yds., 1010 Sq. yds., 1135 Sq. yds. 1205 sq. yds. and area of road S021 sq. yds. respectively forming part of the Industrial area of S. No. 41 of Village Oshivara in the Registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban lay out and scheme of sub-division in respect of which the said Industrial area of S. No. 41 is sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under No. T.P/LO/1811 dated 2-6-1966.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1975

Ref. No. F. IX/3/129/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 287 situated at Thambu Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer JSR.II, Madras on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri C. Natarajan Chetty,
2. Shri C. N. Chockalingam,
3. Shri C. Alalasundaram,
4. Shri C. A. Thanga Prakasam,
5. Shri C. A. Shanmugasundaram,
6. Shri C. A. Balasubramaniam,
7. Smt. Suguna,
8. Kum. Sakunthala,
9. Kum. C. A. Nirmala,
10. Smt. Vijayakumari.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Meherunnissa Begum,
2. Shri S. Riaz Ahmed
3. Shri S. Aneez Ahamed,
No. 73, Sigil Raja St., Ramnad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 921 st. ft. and building at Door No. 287, Thambu Chetty Street, Madras-1 (R.S. No. 4664).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Palani Gounder, Nalla Gounder,
Chinnappan & Kandasamy,
Vettukadu Konganapuram village,
Salem Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1.
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F. XVI/7/5/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4.70 acres situated at R.S. No. 179/2, Erumaipatti village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Makudanchavadi on December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Palani Gounder,
Vettukadu Konganapuram,
Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.70 acres in Survey Nos. 179/2, Erumaipatti village, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 11-8-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400020.

Bombay-400020, the 7th August 1975

Ref. No. AR. V/226/22/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein after referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS Nos. 4207 to 4239—Old S. 75, Hissa No. 1 (pt.), 2 (pt.), 3 (pt.) and 4 (pt.) situated at Kirol Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kantilal Jesangbhai Mehta. (Transferor)
- (2) Smt. Shantaben Shah and Others. (Transferee)
- (3) Tenants (as per list attached)
(Person in occupation of the property)
- (4) Municipality (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

List of Tenants.

Building No. 21.

1. Kansara Pandurang Gopaiji
2. Krishnand Harishankar Pande
3. Keshavbhai Desaibhai Patel
4. Thakker Jayantilal Jamnadas
5. Devji Jalimsingh Panwala
6. Sheth Anandji Mayji
7. Darji Jivraj Ambalal
8. Vadilal Chamsi Gandhi

Building No. 22

9. Kanji Hirji
10. Sheth Shaptilal Premji
11. Dineshbhanda Gaurishanker
12. Jethalal Kalidas Doshi
13. Navnitlal Sukhlal Sheth
14. Champabai M. Talsania
15. Maganlal C. Parekh
16. Bharmal Somayya

17. Shardaben Dhirjal Doshi
18. Kanchanben Himatnal

Building No. 23

19. Vaidraj Hansraj Ranchhodas
20. Sampat Chatrabhuj Dharamshi
21. J. V. Mehta & co.
22. Tokarshi Molji
23. Gordandas Narainji

Building No. 24

24. Bhangovindas G. Ghodial
25. Mistri Devram Hirji
26. Durganshankar D. Dave
27. Lalji S. Mehta
28. Keshavchandra K. Shah
29. Shantilal Nyalchan
30. Hiralal V. Sheth
31. Soni Purushotam Gala
32. Maganlal G. Waghera
33. Gulabdas G. Shah
34. S. P. Thakker
35. Nirmalaben N. Patani
36. J. V. Mehta & Co.
37. Ramnarayan R. Shalma
38. Narotam H. Kamdar

Building No. 27A

39. Vijaysil Chaturbhuj

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that pieces or parcels of land or ground situate lying and being at Ghatkopar, Village Kirol, Taluka Kurla in the Registration Sub-district of Bandra District Bombay Suburban with all buildings structures outhouses standing thereon admeasuring 4439 sq. yds. equivalent to 3714.47 sq. metres or thereabouts according to previous title deeds but according to the City survey admeasuring 4402 sq. yds. equivalent to 3680.07 sq. metres or thereabouts and bearing city survey Nos. 4207 to 4239 of 'C' tenure and bearing old survey No. 75, Hissa No. 1 (pt.), 2 (part), 3 (part) and 4 (part) and assessed by the Bombay Municipal Corporation under N. Ward Nos. 570, 570(2), 571(1), 572, 573, 575, 577 and street Nos. 21, 21-A, 22, 23, 24, 25, 26 and 27 and bounded as follows: that is to say on or towards the North partly the property of Motilal Ghasil and partly by the property of Mulji Meghji Lasenwala, on or towards the West by the property of Chaturbhuj Vallabhdas Khatao and on or towards the East by Mahatma Gandhi Road and on or towards the South by the property of Narayan Govind Rathi and another and partly by the property of Manordas M. Narottamdas.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-V
Bombay

Date : 7-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) State Bank of India Staff 'Chitralekha' Co-op.
Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 7th August 1975

Ref. No. AR.V/223/74-75/19.—Whereas, I, J. M. Mehra being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 128, H. No. 7-B CTS No. 795 pt. Tika No. 110 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ramabai Namdeo Ramji Vaity & Ors.
(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel or land or ground situated East Mulund, Bombay-81 bearing survey No. 128 Hissa No. 7-B City survey CTS No. 795 pt. Tika No. 110 admeasuring 1180 sq. yds. i.e. 986.59 sq. mts. as per Records of Rights and 1200 sq. yds. i.e. 1003.32 sq. metres. on actual admeasurement thereabout in the Registration Sub-District Bandra, Bombay Suburban District Taluka Kurla and bounded as follows :— i.e. on or towards the North by Hissa No. 3 of Survey No. 128, South by Hissa No. 11 of Survey No. 8 East by survey No. 128 Hissa No. 7A, 8 and 9 and West by Survey No. 128 Hissa Nos. 7-C and 7-D.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 7-8-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dahyabhai Chhibabhai Mistry, Dashera, 'Tal. Gandevi, Dist. Bulsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 12th August 1975

Ref. No. PR.232/Acq.23-371/7-3/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 141/1, 141/2, 142, 143, 131 Paiki 132 Paiki, 140 and 145 Paiki situated at Village Otalia, Tal. Gandevi, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on 12-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) The Principal Officer, Aspee Agro Equipment Pvt. Ltd. Village Otalia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 141/1, 142/2, 142, 143, 131 Paiki, 132 Paiki, 140 and 145 Paiki admcasuring to total area of 4 Acres and 38.5 Gunthas situated at Village Otalia Tal. Gandevi, Dist. Bulsar as mentioned in the registered deed No. 466 of December, 1974 of the Registering Officer, Gandevi.

P. N. MITTAL,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. Veerappa Gounder, V. Rasappan, V. Palanimalai & Vaiyapuri, Kilpadur, Oduvanthoor (PO), Namakkal Tk.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6**

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/10/7/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 552/2 situated at Oruvanthoor village, Salem Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanoor on December 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

—
ral lands measuring about 0.65 acres in Survey No. 552/2, Oruvanthoor village, Namakkal Tq.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

19—226GI/75

Date : 11-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. Veerappa Gounder, V. Rasappan, V. Palanimalai & Vaiyapuri, Kilpudur, Oduvanthoor (PO), Namakkal Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sarvamalai Gounder, Vadivel Gounder Pudur, Arur, Namakkal Tq.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/10/8/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey 533 situated at Oruvanthoor village, Namakkal Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mohanoor on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural lands measuring about 0.59 acres in Survey No. 533, Oruvanthoor village, Namakkal Tq.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. R. Veerappa Gounder, V. Rasappan, V. Palanimalai & Vaiyapuri, Kilpudur, Oduvanthoor (PO), Namakkal Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/10/9/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 552/2 situated at Oruvanthoor village (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Mohanoor on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Palanjani Gounder,
Vadivelgounden Pudur, Arur, Namakkal Tq.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring about 0.65 acres in Survey No. 552/2, Oruvanthoor village, Namakkal Tq.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 11-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. R. Veerappa Gounder, V. Rasappan, V. Palani Malai & Vaiyapuri, Kilpudur, Oduvanthoor (PO), Namakkal Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/10/10/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Survey 553, 554/3 & 554/2 situated at Oruvanthoor village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanoor on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Palaniandi Gounder, Vadivelgounden Pudur, Arur, Namakkal Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring about 0.61 acres in Survey No. 554/3, 554/2 and 553, Oruvanthoor village, Namakkal Tq.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 11-8-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. R. Veerappa Gounder, V. Rasappan, V. Palani-malai & Vaiyapuri, Kilpudur, Oduvanthoor (PO), Namakkal Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Karuppa Gounder, Kizhapudur, Oruvanthoor P.O.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/10/11/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No./situated at S. Nos. 554/1, 555/2, 557/1 & 561 Oruvanthoor village, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanoor on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring about 0.73½ acres in Survey Nos. 554/1, 555/2, 557/4 & 561, Oruvanthoor village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 11-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri N. R. K. R. Ravindra, Managing Director,
M/s. Hind Matches Ltd., Sivakasi,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XV/3/1/1974-75.—Whereas, I, G. Ramana-than, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 148 acres situated at Mallanginai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kariapatti on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Subbarayalu,
Mallanginai.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.48 acres with a cinema theatre in R.S. Nos. 271-2C2, 271-3B & 271-7B, Mallanginai, Virudunagar.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 11-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Muthu Gounder, 2. Ramasami Gounder and 3. Un-named minor son of S. No. 2 Nadupatti village, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Subramania Gounder, Nadupatti village, Salem Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,
MADRAS-6

Madras-6, the 11th August 1975

Ref. No. F.XVI/8/9/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 2.84 acres situated at S. Nos. 31/1, 31/2 & 32/C, Nadupatti village, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pethanaickenpalayam on December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.84 acres in Survey Nos. 31/1, 31/2 & 32/C, Nadupatti village, Salem Dt.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 11-8-1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th August 1975

No. CR.62/3501/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A residential house bearing corporation (Old No. 9) New No. 7, Walton road, Civil station, Bangalore-1 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 3159/74-75 on 20-12-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Frederic Samuel (2) Smt. Gladys Ethel Samuel w/o Shri Frederic Samuel, No. 7, Walton road, Civil Station, Bangalore-1,

[Transferor]

(2) Mrs. Persis Kurien, w/o Ampal Thomas John Kurien, No. 7, Walton road, Civil Station, Bangalore-1.

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential house bearing corporation (Old No. 9) New No. 7, Walton road, Civil Station, Bangalore-1.

Site area = 128' x 100' = 12,800sq.ft.

Built up area :—	Squares	
Main building =	20.74	Squares
Kitchen block =	2.40	, 5.53
Garage =	1.65	, 2.27
Porch. =	2.88	, 2.88
Total =	27.67	38.85

Boundaries :

North : Walton road belonging to Mr. Fernandes.
South : Walton road.

East : Walton road.

West : Private road measuring 128' on the North and South and 100' on the East and West.

Document No. 3159/74-75 dt. 20-12-74.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-8-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) P. R. Srinivasa Setty, (2) P. S. Sreedhar, No. 8,
1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-9.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dayalal Vaidya, No. 21, 4th Cross, J. C. Road,
Bangalore-2.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

No. CR.62/3547/74-75/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 9/1, Agrahar Thimmasandra, situated at Doddabylakhana, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4 Document No. 4341/74-75 on 30-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—226GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site No. 9/1, Agrahara Thimmasandra, Doddabylakhana, Bangalore.

Site area = 116' + 116½'	x 36' + 27½'
—————	—————
2	2

=3554 sq. ft. Document No. 4341/74-75/dt : 30-12-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-8-75.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri C. M. Rajaram, S/o Shri Manikyam Pillai, No. 7/A, 10th Cross, Magadi Road, Bangalore-23.
(Transferor)

(2) Shrimati Siddalingamma, W/o Channaiah, Kithanahalli, Dasanapura Hobli, Nelamangal Taluk, Bangalore District.
(Transferee)

*(3) 1. Shri Rajagopal, 2. Shri J. C. Shivanna (MSRTC)
[Person(s) in occupation of the property]

*(4) Mr. H. Veerabhadraiah, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th August 1975

No. CR.62/3566/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Three storeyed building bearing No. 301/168, VIII Main Road, Hosahalli Extension, situated at Vijayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriramapuram Bangalore-21, Document No. 3376/74-75 on 21-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building bearing No. 301/168, VIII Main Road, Hosahalli Extension, Vijayanagar, Bangalore.

Site area : 30' × 46'=1,380 sft.

Ground floor, 1 Floor and 2nd Floor—About 23 squares built up area.

DOC. NO. 3376/74-75, dated 21-12-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 12-8-75;

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 12th August 1975

No. CR. 62/3633/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. rear portion of premises bearing Corporation Old No. 32-A, subsequent No. 32, latest No. 9, situated at Damodar Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore-8, (Termed block No. 3) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 3445/74-75 on 20-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri B. Shivlal Bhai, S/o, Late Sri Bhagavandas, 2. S. Jithendra Kumar & 3. S. Rajendra Prasad, sons of Sri B. Shivlal Bhai, All are residing at New No. 132, Infantry Road, Civil Station, Bangalore.
(Transferor)

(2) Smt. Saramma, D/o of Sri K. M. Kariappa, No. 27, Damodara Mudaliar Street I Cross, Ulsoor, Bangalore-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of premises bearing Corporation Old No. 32-A, Subsequent No. 32, latest No. 9, Damodara Mudaliar Street I Cross, Ulsoor, Bangalore-8 (Termed block No. 3). Site area 115'×46'=5,290 sq. ft.

East—Eastern portion of the said property (termed block No. 2) sold to 'Guru Seva Mandali' ((Regd.), Ulsoor, Bangalore-8).

West—Damodar Mudaliar Street I Cross.

North—Northern portion of the said property (termed block '1') sold to Shri M. Krishnappa.

South—Private Properties.

Document No. 3445/74-75/dated 20-1-1975.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 13th August 1975

No. C.R. 62/3632/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. rear portion of premises bearing corporation old No. 32-A subsequent No. 32, latest No. 9, Damodara Mudaliar street, I Cross situated at Ulsoor, Bangalore-8, (termed block-I) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore Document No. 3444/74-75 on 20-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri B. Shivalal Bhai s/o late Sri Bhagvandas.
2. Shri S. Jithendrakumar. 3. Shri S. Rajendra Prasad sons of Sri B. Shivalal Bhai all are residing at New No. 132, Infantry road, Civil station, Bangalore. (Transferor)

(2) Krishnappa s/o late Shri Muniswamappa land owner and building contractor, No. 23, G. No. 10th street, Jougupalyam, Ulsoor, Bangalore-8. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rear portion of premises bearing corporation old No. 32-A, subsequent No. 32, latest No. 9, Damodaraamodailar street, I cross, Ulsoor,, Bangalore-8. (termed block-I).

Site area=4100 sft.
Boundaries :

East—Property belonging to Sri K. A. Chandrasekhar.
West—Property belonging to Shri V. Perumal alias kutty Perumal and Damodar Mudaliar street, 1 Cross.

North—Private properties.

South—Southern portion of the said property (termed block 3) sold to Smt. Saramma and south eastern portion of the said property (termed Block No. 2) sold to Guruseva Mandali (Regd.) Ulsoor, Bangalore-8.

Document No. 3444/74-75 dated 20-1-75.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 13-8-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sadath Ali Khan, s/o late Shri B. M. Sanna Khan Saheb, Managing partner M/s. Sanna Trading Company, No. 39, Third Main Road, Bangalore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. S. Siraj Ahamed, s/o late Syed Salam Saheb
(2) Mrs. Saimunnisa Ahamed, W/o K. S. Siraj Ahamed, No. 3/1, Langford Gardens, Civil Station, Bangalore-25.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDELE

All that piece and parcel of land together with all the super-structures including the two storeyed building thereon bearing No. 3/1, Langford Gardens, 60th Division, Civil Station, Bangalore-25 bounded and measuring as follows:

On the North by—

The compound and main building of premises No. 3, Langford gardens belonging to M/s. Arenetch Medical Enterprises (viz. the Republic Nursing Home) and measuring that side 220 feet;

On the South by—

Premises No. 4, Langford Gardens and measuring on that side 204 feet;

On the East by—

Premises New No. 8 old No. 5-G, Cornwell Road and measuring on that side—53 feet.

On the West by—Public Road known as Langford Gardens and measuring on that side 16 $\frac{1}{2}$ feet.

Part of the compound wall on the South belongs to the neighbour and the compound wall on the North belongs to the neighbouring property, namely, the Republic Nursing Home.

Total site area=6,450 sq. ft.

Built up area

Ground floor=14.00 squares

1 Floor=14.40

Garage=1.80

Total 30.20 squares

DOC. No. 3550/74-75, dated 24-1-1975.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 12-8-1975.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

RAC. No. 90/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 21 situated at Kakaguda village, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 21-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Rama Swamy,
2. Laxmi Enterprises,
Through Garter Sri Bapiah Choudry,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Vasani Co-operative Society Housing,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : S. No. 21/at Kakaguda village, Secunderabad. Contonment area. Secunderabad.

Area : 4840 Sq. Yards.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-8-1975.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA-I
BIHAR

Patna, the 13th August 1975

No. III-102/Acq/75-76/1069.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Khata Nos. 176 & 216, Plot Nos. 1, 2, 18 & 2647 situated at Gari & Bargain in Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ranchi on 25.12.74, 2.1.75, 3.1.75, 21.1.75, 28.1.75, 29.1.75 and 8.2.75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Bibi Tayyaba Khatoon, W/o Khan Bahadur Syed Gulam Jilani, Booty Road, Village—Gari, Dist. Ranchi. (Transferor)

*Annexure*Transferee's name & Address

1. By Power of attorney
Smt. Triloki Narin Sinha, W/o K K Sinha of Medical College, Ranchi.
2. Dr. Sachidanand Sinha of Medical College, Ranchi.
3. Smt. Shanti Sinha, W/o Gaya Chandra Sinha of Medical College, Ranchi.
4. Smt. Indu Sinha W/o Dr. Sachidanand.
5. Gyan Chandra Narain S/o Shri Krishna Chandra Sinha, Medical College, Ranchi.
6. Sri Brajraj Bhushan Pd. S/o Sheo Ram Chandra Prasad of Sherpur, Muzaffarpur.
7. Janki Devi W/o Kusagar Lall of Dhodhi, P. S. Kurahani, Dt. Muzaffarpur.
8. Sri Premdeo Kumar S/o Gaya Prasad of Rasulpur Dt. Muzaffarpur.
9. Awadh Kumar Prasad Sinha S/o Sidheshwar Prasad Sinha, Vill. Bind P.S. Asthawan, Nalanda,

10. Dr. Nirmala Sinha W/o Dr. Rama Singh of Awari, P. S. Mohania, Dt. Rohtash at present 3K 80 Bariatu Housing Colony.
11. Smt. Usha Srivastava W/o Janardan Prasad of Kalambagh Road, Muzaffarpur.
12. Arun Kishore Narain D/o Jugal Kishore of Medical college, Ranchi.
13. Smt. Nirmala Devi W/o Gouri Shankar Prasad of Naya Tola, Muzaffarpur.
14. Bishwanath Prasad S/o Kusheshwar Prasad of Kishnanager, Patna.
15. Kamta Prasad S/o Shyam Bihari of Lalpur, Ranchi.
16. Smt. Ranjan Devi W/o Gopi Krishana Prasad of Nilratan Street, Ranchi.
17. Smt. Sita Singh W/o Kahnaiaya Pd. of Majhwari, Dt. Bhojpur.
18. Smt. Shanti Devi W/o Ashoke Kumar Singh of Aurangabad, Nabinagar.
19. Dharamdeo Prasad S/o Karangdhari Prasad of Surangapur, Dist. Gaya P.S. Jahanabad.
20. Madhusudan Choudhary, S/o Seolochan Choudhary.
21. Smt. Saroj Gupta D/o Madhusudan choudhary W/o Lalan Pd. Gupta, Aurangabad.
22. Madhusudan Choudhary S/o Seolochan Choudhary, Upper Bazar, Ranchi.
23. Jagannath Prasad S/o Late Ram Charitra Sahu of Gorakhnath Lane Upper Bazar, Ranchi.
24. Manoj Kumar S/o Dwarika Prasad, Main Road, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land about 304 Kathas with large number of trees, tank and double storied building etc. on it situated at Village Gari and Bargain in Ranchi municipal W/No. VII, H. No. 261 bearing Khata Nos. 176 & 216, Plot Nos. 1, 2, 18 & 2647 described in twenty four separate deeds Nos. 18308 to 18315 dated 25-12-74, 75 dated 3-1-75, 76 dated 2-1-75, 1119 to 1124 dated 21-1-75, 1536 to 1539 dated 28-1-75, 1680 dated 29-1-75 and 2432 to 2434 dated 8-2-75.

J. NATH

Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-8-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shantidevi Wd/o late Shri Kukundalal Chatri, R/o 12, Daulatganj, Main Road, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Abdul Razaq, 2. Shri Noor Mohammad, 3. Shri Abdul Majid, 4. Shri Mohammad Iqbal, 5. Shri Mohammad Munaf S/o Abdul Shakoor, R/o 45, Daulatganj, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 8th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ‘Said Act,’ shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDEULE

House No. 12, Daulatganj, Main Road, Indore.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ‘said Act,’ in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ‘Said Act,’ or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ‘Said Act,’ I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the ‘Said Act,’ to the following persons, namely :—

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanhaiyalal & Ramswaroop S/o late Seth Badrilal Sahib Agarwal R/o Near Itwara Road, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babulal Shrivastava, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Single & Double storeyed house No. 29, situated at Mohalla Shahjahanabad, Ward No. 2, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on 23-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

1—226 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single & Double storeyed house number 29, situated at Mohalla Shahjahanabad, Ward No. 2, Bhopal.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal

Date: 8-8-75

Seal:

FORM ITNS—

(2) Smt. Sushila Devi D/o Gheverchandji Nahar R/o Kasera Gali, House No. 1, Mohalla Marwari Road, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of double storeyed house situated at New Colony, Near Putli Ghar at Shahjanabad, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 21-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Part of double storeyed house situated at New Colony, Near Putli Ghar at Shahjanabad, Bhopal.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Smt. Najim Begum W/o Dr. Majid Hussain R/o Putli Ghar Road, Bhopal.

Date : 8-8-75

(Transferee)

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Babulal Dubey S/o Shri Shalta Prasad Dubey
R/o Railway Bajaria, Bhopal.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Raghu Raj Singh S/o Ummid Singh, 2. Shri
Brijesh Kumar S/o Takhat Singh R/o Kisnoda, Teh.
Basoda.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated in Station Mandi Basoda Teh. Basoda, M.P. situated at Basoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Basoda on 21-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in Station Mandi Basoda, Teh. Basoda, M.P.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, BHOPAL

(1) 1. Shri Guruprasad, 2. Shri Swamiswaran, 3. Prem
swaran sons of Sidhanath, 2. Smt. Subatrabai W/o
Sidhanath, R/o Vill. Tillorekurd, Teh. Distt. Indore.
(Transferor)

(2) 1. Shri Rameshwar, 2. Shri Purushottam sons of Shri
Sidhanath R/o Trillorekurd, Teh. Distt. Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'Said Act'),) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land of 10 acres at Village Kewadeswar, Teh. & Distt. Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land of 10 acres at Village Kewadeswar, Teh. & Distt. Indore.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Bhopal

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Aishabai W/o Abdul Karim of Bombay through Mukhtyar Haji Gafar Haji Karim, 25 Jawahar Marg, Indore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 7, M. No. 757 on M.G. Road, Indore—Area 3700 sq ft situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Tarachand S/o Bhagirathji Saklechha, 25 Moti Tabela, No. 2, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, M. No. 575 on M.G. Road, Indore—Area 3700 sq. ft.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rajendrakumar S/o Bhawarilalji Sethi ~~Mandalik~~
Bazar, Khandwa.

(2) Smt. Saliabai W/o Saifuddin Rangwalla, ~~Bombay~~
Barzar, Khandwa.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. open plot Jaora Compound, Indore—area 2760 sq. ft. situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of Jaora Compound, Indore Area 2760 sq. ft.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-1975,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hargopal Nirmaldass Gupta, R/o 100, Indore Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Delhi Auto Lamps Pvt. Ltd., Head Office, 11, Tukaganj, Main Road, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory building on Plot No. 33 B/A in Laxmibai Nagar, Industrial Estate, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-12-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory building on Plot No. 33 B/A in Laxmibai Nagar, Industrial Estate, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 8-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Chhaya Old M. No. 49 in Scheme No. 2(c) Block No. 27 in Palasia, New No. 3, St. No. 3, New Palasia, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16-12-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Dhankunwar Sahiba w/o Late Shri Onkarsingh & Kathiwara R/o H. No. 5, S. No. 3, New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Navnitbhai Keshavlal Parikh and others R/o Jawahar Marg, Indore, 2, Smt. Sarojbal N. Parikh, 3, Shri Dushant N. Parikh, 4, Milan N. Parekh, 5, Sanjay N. Parekh, House No. 3, St. No. 3, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chhaya Old M. No. 49 in Scheme No. 2(c) Block No. 27 in Palasia, New No. 3, St. No. 3, New Palasia, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-1975.

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendrakumar s/o Shri Bhawarlalji Sethi,
Mánik Bhavan, Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. open plot of Jaora Compound, Indore—2760 sq. ft. situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

22—226GI/75

(2) Shri Shantilal s/o Rakhabdas Jain 18/6 Chhoti Gwal Toli, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of Jaora Compound, Indore—2760 sq. ft. Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-75
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Govind Kesav Yadav, R/o Rajendranagar,
Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house at Raoji Bazar, Street No. 2 H. No. 50, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house at Raoji Bazar, Street No. 2, House No. 50, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-75
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Saligram Natwarlal Neema & Co., M.T. Cloth Market, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. part of the portion of building No. A-15, Northside of Shiv Vilas Palace, Rajwada Chouk, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; And

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shri Rajendra S/o Ramchandraji Sharma, Editor Danik Swadesh Jaindraganj, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

(3) Shri Marathi Madhynik Kanya Shala and Hindi Madhymik Kanya Shala No. 14, 13 Both Govt. Schools, 2. Shri Govindrao Yadav.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the portion of building No. A-15, Northside of Shiv Vilas Palace, Rajwada Chouk, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwandas Roopchandani S/o Shri Boolchand
Roopchandani R/o 1196, Napier Town, Opp. Home
Science College, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Shri Uttamchand Jain S/o late Shri Gannalalji Jain
R/o Block No. 42, Narsinghdas building, Gole
Bazar, City—Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land Nazul plot No. 142, portion of it—House M. No. 731 & Others Mohalla Rasidganj, Madhatal Ward, Jabalpur, situated at Jabalpur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 21-12-74,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Nazul plot No. 142, Portion of it—House M. No. 731 & Others Mohalla, Rasidganj, Madhatal Ward, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwandas Roopchandani R/o 1196, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,
being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land plot No. 142 of it—Area 800 sq. ft. H. No. 73 in Bharatipur Ward, Jabalpur, situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 21-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Shashiprabha Jain W/o Shri Uttamchand Jain Block No. 22, Borasingh Dara Building, Gol Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land plot No. 142, Portion of it Area 800 sq. ft. H. No. 73 in Bharatipur ward, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-8-75
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Kalawati Bai W/o Shri Balkrishnan, Vinchurkar, R/o L.I.C. Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Narsinghaljee S/o Shri Baijnathjee Choudhary, R/o 40, Naika ali, Vivekpath, Neemuch Cantt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BJL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House in Shrinagar Colony on plot No. 107, single storeyed—Area 2400 sq. ft. Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of Registering Officer Indore on 10-12-74,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House in Shrinagar Colony on plot No. 107, single storeyed—Area 2400 sq. ft. Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Majid Khan S/o Mohd. Hayat Khan
(Muslim) R/o Moghat Road, Khandwa.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhinga Khatoonbi W/o Noor Mohd. (Muslim)
Teli R/o Khandwa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Three storied house, Jasul plot No. 26/2 and 27, Block No. 5, Ward No. 25, H. No. 8, Khandwa, situated at Khandwa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 16-12-74.

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Three storied house, Nazul Plot No. 26/2 and 27, Block No. 5, Ward No. 25, H. No. 8, Khandwa.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 11-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vinodkumaridevi W/o Shri Hiranandji Kasliwal, H. No. 572, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. portion of 5/1 Dr. Roshansingh Bhandari Marg (i.e. 5/8) Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore, on 18-12-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 5/1 Dr. Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Maltirai W/o Shri Rajulal Rai R/o Majgaona, Distt. Damoh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 158/1, in Sarafa Ward, Jabalpur, situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—226GI/75

(2) Smt. Nirmaladevi W/o Shri Shankarlal Saraf R/o H. No. 159/1 Sarafa Khard, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 159/1, Sarafa Ward, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-8-75

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Dropadidevi W/o Shri Ramlal Gupta R/o Khilona Bazar, R/o Sihora, Distt. Jabalpur.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raghunathprasad S/o Shri Mahadeoprasad, R/o Khilona Bazar, Sihora, Distt. Jabalpur.
(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 11th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 13, Ward No. 10 situated in Khilona Bazar, Sihora situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. 13, Ward No. 10 situated in Khilona Bazar, Sihora.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-8-75
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Dulichand Dayal Bhai Palan, Charital, Jabalpur
 2. Shri Ghanshyamdas Banshidhar Behri,
 Miloniganj, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL.**

Bhopal, the 11th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. House No. 438 to 438/2 Kotwali Bazar, Jabalpur, situated at Jabalpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Santarabai W/o Premnarayan Agrawal Kothari, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 438 to 438/2 Kotwali Bazar, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-8-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Bhopal, the 11th August 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Abadi A badi Schme No. 1, Road No. 3, Mandsaur—situated M.C. No. 211, situated at Mandsaur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mandsaur on 4-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Firm M/s Pannaji Moraji Bhavsao through partners, 1. Shri ShivnaraIn, 2. Prithiraj, 3. Laxminarain, all sons of Moraji Bhavsao, R/o Khanpura, Mandsaur.

(Transferor)

(2) Shri Sobagmalji S/o Shri Mangilalji Pamatcha R/o Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

New Abadi Scheme No. 1, Road No. 3, Mandsaur—situated M.C. No. 211 portion of it.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-8-75

Seal :

FORM ITNS.—

(1) M/s R. B. Bansilal Ramratandas R/o Sarafa, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Onkarprasad Tiwari and Shri Govind Upadhyaya, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380009

Bhopal, the 11th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 750 and House No. 719, Sarafa, Jabalpur, situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 23-12-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

M. F. MUNSHI,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 11-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Rohinton J. Debara 2. M/s Laxmi Enterprises, Vijayawada. Represented by Sri P. Bapiah Chowdry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vasavi Co-operative House building Society, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 12th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC.No. 92/75-76.—Whereas, I R. Rangayya, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55/2 situated at Kakaguda village, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 24-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property : S. No. 55/2 at Kakaguda, village, Secunderabad Contonment area, Secunderabad. Area : 4840 Sq. Yards.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 12-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Vijayalaxmi Cotton Mills, Ganapavaram.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nicoimpex Corporation, Guntur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 8th August 1975

Ref. No. Acq.File. No. 221.J. No. 1(598)/GTR.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 134/A, 173/C2 situated at Ganapavaram, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on 18-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

The schedule property as per sale deed dated 18-12-74 registered vide document No. 6305 of S.R.O., Chilakaluripeta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

Date : 8-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Ramal Kumar Mitra.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Madhusudan Dutta.

(1) Union Carbide India Ltd. (2) R. S. Johar (3)
Electrical Mfg. Ltd. (4) K. N. Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA**

Calcutta-16, the 14th August 1975

Ref. No. TR-51/C-44/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B, situated at Orient Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sealdah, Calcutta on 11-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th part of two storied building at 5B, Orient Row, Calcutta-17.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Date : 14-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramal Kumar Mitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th August 1975

Ref. No. TR-50/C-43/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B, situated at Orient Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sealdah, Calcutta, on 11-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Narayan Chandra Dutta,
(1) Union Carbide India Ltd. (2) R. S. Johr (3)
Electrical Mfg. Ltd. (4) K. N. Ghose.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th part of two storied building at 5B, Orient Row, Calcutta-17.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

9--226GI/75

Date : 14-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramal Kumar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sunil Chandra Dutta.

(1) Union Carbide India Ltd. (2) R. S. Johar (3) Electrical Mfg. Ltd. (4) K. N. Ghose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1975

Ref. No. TR-49/C-42/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B, situated at Orient Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 11-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th part of two storied building at 5B, Orient Row, Calcutta-17.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-8-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramal Kumar Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purna Lakshmi Dutta.

(1) Union Carbide India Ltd. (2) R. S. Johar (3) Electrical Mfg. Ltd. (4) K. N. Ghose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 14th August 1975

Ref. No. TR-52/C-45/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5B, situated at Orient Row, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 11-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/4th part of two storied building at 5B, Orient Row, Calcutta-17.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th August 1975

Ref. No. ASR/134/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Sultanwind Suburban, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tehsil Amritsar in December, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjap Singh, Milap Singh ss/o Shri Jasbir Singh r/o Gobindnagar Sultanwind, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh, Joginder Singh ss/o Shri Santa Singh East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7853 of December, 1974 of the Registering Authority, Tehsil Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-8-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Amritsar, the 14th August 1975

Ref. No. FDK/135/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land, situated at Mission Ground Kotkapura Rd. Muktsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in December 1974 and March and April 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

- (1) Shri Shiv Nandan Lal Arora, Shri S. L. Arora, S. Dayal Singh Sandhu & Shri Shagan Lal Ahuja, r/o Muktsar.

(Transferor)

Name of the transferees.

1. Shri Gurdarshan Singh s/o Shri Kapoor Singh r/o Muktsar.

2. Smt. Mohinder Kaur w/o S. Jugraj Singh r/o Muktsar.
3. Harminder Singh s/o Shri Jugraj Singh r/o Muktsar.
4. Smt. Jaspal Kaur w/o Shri Gurdarshan Singh r/o Muktsar.
5. Shri Charan Dass Gupta s/o Shri Piara Lal r/o Muktsar.
6. Shri Kasturi Lal s/o Shri Raja Ram r/o Muktsar.
7. Shri Raghbir Chand s/o Prithi Chand r/o Muktsar.
8. Smt. Kaushalya Devi w/o Shri Kasturi Lal s/o Raja Ram r/o Muktsar.
9. Shri Jot Ram s/o Shri Bhola Ram r/o Muktsar.
10. Shri Sat Pal s/o Shri Kishan Singh r/o Muktsar.
11. Dr. Sarwan Jolly r/o Muktsar.
12. Shri Raghbir Chand s/o Shri Babu Ram r/o Muktsar.
13. Smt. Bimla w/o Pt. Raghbir Chand r/o Muktsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2436, 2437, 2438 and 2435 of December, 1974, 3158, 3155, 3157, 3154, 3000, 2979, 2977, 2978, 3152 of March 1975 and 245 of April 1975 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-8-1975
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Latkan Singh s/o Shri Gulab Singh r/o V. Logar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Gurdev Singh, Hardev Singh ss/o Shri Dial Singh, Dial Singh s/o Mahla Singh r/o V. Logar
Joginder Singh, Mohinder Singh ss/o Shri Karnail Singh V. Alhupur.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amritsar, the 14th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. BTD/AP-136/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Logar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sardulgarh in December 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 112, 113 and 114 of December 1974 of the Registering Authority Sardulgarh.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1975

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400020, the 8th August 1975

Ref. No. ARI/1022-7/Dec.74.—Whereas, I, N. K. Shastri, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plots No. 363A & 362B & CS No. 264/10, of Matunga Division situated at King's Circle (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jean Bomanji Dubash.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Mohanlal Doshi & Ors.
(Transferee)
- (3) Tenants.
[Person in occupation of the property]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground at King's Circle containing an area of 1581 sq. yds. and 1321.87 sq. meters or thereabout being Plots No. 362A and 362B of the Dadar Matunga Estate of the Bombay Municipality in the Registration Sub-District of Bombay and in the Island of Bombay and bounded as follows : On or towards the NORTH partly by Plot No. 363 of the Bombay Municipality and described in the Second Schedule hereunder written and partly by Plot No. 363C on or towards the EAST by King's Circle Garden now known as Maheswari Udyan on or towards the SOUTH by a portion of Plot No. 362 leased to Burmah-Shell Oil Distributing Co. of India Ltd. and on or towards the WEST by 20 feet Road adjoining 60 feet Bhandarkar Road and which piece of land forms a portion of the Land bearing New Survey No. 871 and Cadastral Survey No. 263/10 of Matunga Division together with the buildings and structures standing thereon and assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under E Ward No. 7397(1), (1A), (1B), (1C) and Street Nos. 9-9F and 81 of Dr. Ambedkar Road and Bhandarkar Road.

The Second Schedule above referred to :

ALL THAT piece of Land containing an area of one thousand three hundred and five (1305), sq. qds. or 1091.11 sq. meters or thereabouts Corporation in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay bounded on the North by 60 feet wide Bhandarkar Road sixty feet by Dr. Ambedkar Road and beyond that by King's Circle Garden now known as Maheshwari Udyan on the South by Plot No. 362A of the said Estate and on the West partly by Plot No. 363A and partly by 363B of the said Estate leased to Patil Narayan Khajle which piece of Land forms portion of New Survey No. 871 and bears Cadastral Survey No. 264/10 Matunga Division together with the Building and structures constructed thereon and are assessed by the Assessor & Collector of Municipal Rates & Taxes under F Ward No. 7396(2) Street No. 9-9F King's Circle and 1-19 Bhandarkar Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 8-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Machino Techno Sales (P) Ltd., 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Gayatri Devi Tibrewal of Adampur, Bhagalpur, Behar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmauria,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. flat on 9th floor, situated at 8A, Alipore Road Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-12-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two bed roomed flat measuring 1200-sq. ft. on 9th floor of 8A, Alipore Road, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sailendra Nath Das, Silpara Baria, P. S. Behala,
24-Prgs.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Siemens India Ltd., 6, Little Russel St., Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. Ac-22/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 695 & 697, Khatian, situated at Mouza Joka, P. S. Behala, Distt., 24-Prgs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 11-12-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—226GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 52½ Decimal in Dag Nos. 695 & 697 Kh. Nos. 416 & 598, JL No. 21, RS No. 94, Touzi No. 4, Mouza Joka, P. S. Behala, 24-Prgs.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Date : 13-8-75
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nanda Dulal Das of Silpara, Barisa, P. S. Behala,
Dt. 24-Pgrs.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Siemens India Ltd., 6, Little Russel St., Calcutta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Ac-19/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing JL No. 21, RS No. 94, Touzi, situated at P. S. Behala, Distt., 24-Pgrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. 4 Registrar of Assurance, Calcutta, on 11-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Vacant land measuring .83 Dec. in Mouza Joka, Dag No. 698, Khatian No. 445, JL No. 21, RS No. 94, Touzi No. 4, P.S. Behala, Dt. 24-Prgs.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date : 13-8-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1975

Ref No. 2361/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at Rousdon Mullai Estate, Devala P.O. (Poona), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Gudalur (Doc. No. 752/74) on 24-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

- (1) 1. P. S. S. Bommanna Chettiar;
2. B. Thyagarajan, on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his minor son;

3. B. Natarajan, son of P.S.S. Bommanna Chettiar on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his minor son;
4. B. Chamraj, son of P.S.S. Bommanna Chettiar on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his minor son;
5. B. Sadasivan, on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his minor son;
6. B. Shanmugasundaram,
7. B. Radhakrishnan, on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his two minor sons.
8. B. Sankaralingam, on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his two minor sons.
9. B. Rajasekaran, on his own behalf and as Karta of the Joint Hindu family consisting of himself and his minor son;
10. Sri Bommannas Tea Company, Palace Theatre Building, Salem.

(Transferor)

- (2) M/s. Woodbriar Estate Limited, Devarshola P.O. Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Rousdon Mullai Estate, Devala P.O. (417.21 acres of land bearing R.S. Nos. 96/1, 96/2, 96/3, 96/4, 96/5B, 96/5C, 99, 95/1B, 97/1B2, 97/1B3, 97/1B1, 95/2, 95/3, 98 and 85/1D2 (with buildings).

25.77 acres of land bearing R.S. Nos. 93B/1A1A2 and 93B/1A1A3.

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri R. Varadharajulu,
Komarapalayam village,
Perur Road,
Coimbatore Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1975

Ref. No. 2359/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabak, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil situated at S.F. Nos. 189/2, 199 and 200 Komarapalayam village (5.90 3/4 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Coimbatore (Doc. No. 3050/74) on 17-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. R. Muruganathan,
256-A, Cross Cut Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5.90 3/4 acres, and bearing B.F. Nos. 189/2, 199 and 200, Komarapalayam village, Coimbatore Taluk.

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-8-75

Seal :

FORM ITNS—

- (2) S. Jayalakshmi (Minor); and
 (2) Shri K. Sethunarayana Chetty,
 Shri K. Sethunarayana Chetty,
 Kaliamma Koil St., Porayar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II.
 MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1975

Ref. No. 3227/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, situated at Town Extension, Mayuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. No. 557/74) on 4-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. Subramaniam,
 30, Town Extension,
 Mayuram.
 (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 30, Town Extension, Mayuram (T.S. No. 206, Block No. 1, Ward No. 3, Mayuram Town).

G. V. JHABAKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. S. Jayalakshmi,
W/o Shri N. Subramania Pillai,
30, Town Extension, Mayuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. Jayalakshmi (Minor) and
Shri K. Sethunarayana Chetty,
Kalamankoil St.,
Porayar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th August 1975

Ref. No. 3227/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nil, situated at T.S. Nos. 204 and 205, Ward No. 3, Mayuram Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayuram (Document No. 562/74) on 6-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

((b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site admeasuring 13,582 Sq. ft. and bearing T.S. No. 204 and 205, Block No. 1, Ward No. 3, Mayuram Town.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-8-75
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16**

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. flat on 8th floor situated at 8A, Alipore Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 4-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sanjiv Jindal (minor)
Represented by his father and natural guardian Murlidhar Jindal of 8A, Alipore Road, Calcutta.
(Transferor)
- (2) S/Shri Krishnandu Gupta and Jhilli Gupta (minors),
Represented by father Purnendu Gupta of Flat No. 10, Britannia Court, 323, New Road, Calcutta.
(Transferee)
- (3) Shri Rajendra Kumar Sharma.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two bed roomed flat measuring 1234-sq. ft. on 8th floor of 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. Ac-21/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 695, Khatian No. 416 situated at Mouza Joka, P.S. Behala, Distt. 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 11-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gopal Krishna Das,
Silpara, Barisa, P.S. Behala,
24-Parganas.

(Transferor)

(2) M/s. Siemens India Ltd.,
6, Little Russel St.,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring .70 Decimal in Dag No. 695, Khatian No. 416, JL No. 21, RS No. 94, Touzi No. 4, Mouza Joka, P.S. Behala, 24- Parganas.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nripendra Krishna Das of Silpara,
Barisa, P.S. Behala, Distt. 24-Parganas.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 698, Khatian No. 445 situated at Mouza Joka, P.S. Behala, Distt. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 11-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—226G1/75

(2) Siemens India Ltd. of
6, Little Russel St.,
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring .82 decimal in Dag No. 698, Khatian No. 445, JL No. 21, RS No. 94, Touzi No. 4, in Mouza Joka, P.S. Behala, Dt. 24-Parganas.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Rajiv Jindal,
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Gayatri Devi Tibrewal of
Adampur, Bhagalpur, Bihar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta-16, the 13th August 1975

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing being flat on 9th floor situated at 8A, Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 24-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two bed-roomed flat measuring 1200-sq. ft. on 9th floor of 8A, Alipore Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dhananjoy Das of Silpara,
Barisa, P.S. Behala,
24-Parganas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Siemens India Ltd.,
6, Little Russel St.,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD.
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring .60 Decimals in Dag Nos. 694
and 695, Kh. Nos. 417 and 105, JL No. 21, RS No. 14,
Touzi No. 4, Mouza Joka, P.S. Behala, Distt. 24-Parganas.

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. V. LALMAWIA
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of section 269-C. of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 13-8-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Samarendra Nath Roychowdhury, 2. Shri Surendra Nath Roychowdhury, 3. Shri Nirmal Ch. Roychowdhury All of, 83 Harish Chatterjee Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1975

Ref. No. 276/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83, situated at Harish Chatterjee Street Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore Sadar 24-Pgs. on 21-12-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Bani Rani Ghosh 21, Kalighat Road, Calcutta-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring 4 cottahs 12 chittacks 21 sft. more or less at premises No. 83 Harish Chatterjee Street, Calcutta as per deed No. 4692 of 1974 registered before Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income T.
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 11-8-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Mala Enterprise, 155, Kika Street, Bombay
400 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 13th August 1975

Ref. No. AP. 208/IAC-AR-IV/75-76.—Whereas, I, G. A. James,
 being the competent authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 No. S. No. 145 & 146 situated at Village Ambivli,
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 S.R. of Bombay on 6-12-1974,
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of
 the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
 tion therefor by more than fifteen per cent of such appa-
 rent consideration and that the consideration for such
 transfer as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act to the following persons,
 namely :—

- (1) The Ashish Co. op. Housing Society Ltd., and M/s.
 New India Construction Co. Bldg. No. 52, Gr. Floor,
 Gurunagar, J.P. Road, Bombay-58.

(Transferor)

- (2) M/s. Jim Rusdin Pvt. Ltd., 15/A Altamont Road,
 Bombay-26.

[Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
 perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of the
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date
 of the publication of this notice in the Official
 Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
 as are defined in Chapter XXA of the
 said Act, shall have the same meaning as
 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All these several pieces OR parcels of land situate lying and
 being in the village of Ambivli formerly in the sub-district of
 Bandra in the South Salsette Taluka of Bombay Suburban Dis-
 trict stated in the record of rights to admeasure 141812 sq. yds.
 i.e. 1,18569 sq. metres OR thereabouts bearing S. No. 145 and
 146 of Ambivli and according to the village plan bounded as
 follows : that is on the north by Andheri Versova Road, south
 by village boundary of Versova Village, East partly by S. No.
 147 and partly by boundary of Andheri village and on West
 partly by a road and partly by the boundary of Versova village.

G. A. JAMES,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 13-8-1975.

Seal

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Pannalal Ganguly.
 (2) Shri Hiralal Ganguly.
 (3) Sanat Kumar Ganguly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Jaharlal Ganguly (2) Shri Sisir Kumar Ganguly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

- (3) 1. Sri Ajit Singh Kukreja, 2. M/s. P. S. Automobiles, (3) Sri Mohanlal Jain, (4) M/s. Dinesh Thosani and J. K. Thosani, (5) M/s. Lakshmi Chand Pannalal Kedarnath (6) M/s. Kashi Cycle Rickshaw Co. (7) M/s. Bombay and Calcutta Cycle Co. (8) M/s. Goswami and Co. (9) Sri Lakshmi Chand Mandiratta, (10) Sri Srikumar Kamlesh Maldalier, (11) Surendraji Jain, (12) Sri Amarnath Gupta, (13) Sri N. S. Doshi, (14) M/s. A. J. Twana, (15) Sri Lilaram Fathe Chand Balani, (16) Sri Kantilal Jethalal Parekh, (17) Sri Rashiklal N. Jajani, (18) Sri S. Indrajit Singh.

[Persons in occupation of the property]

Calcutta-16, the 14th August 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. TR-301/V-288/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-25, situated at Princep St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, on 11-12-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shares of the vendors in the four storied dwelling house erected on 3 Kathas 14 chittacks of land being premises No. P 25 Princep St., Calcutta (formerly known as 61 Bentinck Street) along with other assets.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I do hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 14-8-75.

Seal :

*[Strike off where not applicable.]